राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 179 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, सोमवार , 10 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीमकोर्ट के आदेश के बाद नीट पीजी काउंसलिंग 12 जनवरी से

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि नीट-पीजी काउंसलिंग 12 जनवरी से शुरू होगी। सुप्रीमकोर्ट ने 7 जनवरी को अपने अंतरिम आदेश में 2021-22 के लिए नीट-पीजी दाखिले के वास्ते मेडिकल काउंसलिंग बहाल करने की अनुमति दे दी थी। न्यायालय ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को 27 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दस प्रतिशत आरक्षण की वैधता पर भी मुहर लगायी थी। मांडविया ने ट्वीट किया, 'रेजिडेंट डॉक्टरों को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दिए आश्वासन के अनुसार, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद मेडिकल काउंसलिंग समिति द्वारा नीट-पीजी काउन्सलिंग 12 जनवरी 2022 से शुरू की जा रही है। सभी उम्मीदवारों को मेरी शुभकामनाएं। नीट-पीजी परीक्षा 11 सितंबर, 2021 को हुई थी। उससे पहले जनवरी और अप्रैल में दो बार परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया था। पूरे देश में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टरों ने काउंसलिंग प्रक्रिया जल्द करने की मांग करते हुए पिछले महीने प्रदर्शन किया था और काम का बहिष्कार किया था।

दिल्ली में फिलहाल लॉकडाउन लागू करने की कोई योजना नहीं: केजरीवाल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आज कहा कि दिल्ली में फिलहाल लॉकडाउन लागू करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि लोग मास्क पहनना जारी रखें तो हम ऐसा नहीं करेंगे। सीएम ने कहा कि दिल्ली में 24 घंटे के दौरान कोविड के 22 हजार मामले दर्ज होने की आशंका है। मगर हमारा प्रयास न्यूनतम पाबंदियां लगाने का है ताकि आजीविका प्रभावित न हो।

तमिलनाडु में एक दिवसीय लॉकडाउन लागू, सार्वजनिक स्थान रहे सुनसान

चेन्नई (एजेंसी)। कोविड-19 के तेजी से बढ़ते मामलों से निपटने के लिए तमिलनाडु में रविवार को एक दिवसीय पूर्ण लॉकडाउन लागू किया गया और इसका पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, स्थानीय एवं स्वास्थ्य प्राधिकारियों ने कड़ी नजर रखी। लॉकडाउन के कारण राज्य की सड़कें, बाजार, मॉल और सार्वजनिक स्थान सुनसान रहे, लेकिन राज्य में आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति से जुड़े वाहनों और स्वास्थ्य समेत अन्य क्षेत्रों के लिए लोगों को आवागमन की अनुमति थी। स्वास्थ्य सेवा कर्मियों, स्वच्छताकर्मियों और नगर निकाय कर्मियों ने अपना नियमित कार्य जारी रखा। उड़ानों को छोड़कर रेल परिचालन, बस और मेट्रो रेल जैसी सार्वजनिक परिवहन सेवाएं निलंबित रहीं। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यन ने बताया कि शीर्ष निकाय, स्वास्थ्य एवं पुलिस प्राधिकारियों ने लॉकडाउन के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी रखी।

ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के मामले में शनिवार को 381 मामले दर्ज किए गए थे और सामाजिक दूरी का पालन नहीं करने के आरोप में 53 मामले दर्ज किए गए। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को काबू करने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने नयी पाबंदियों और रात 10 बजे से सुबह पांच बजे तक रात्रि कर्फ्यू लागू करने की घोषणा की है।

2024 का सेमीफाइनल है 2022 का विधानसभा चुनाव, तय हो जाएगी भाजपा और कांग्रेस की दशा-दिशा

(संवाददाता)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा के चुनावों का ऐलान हो गया है। इन पांच में से चार राज्यों में भाजपा की सरकार है। देखा जाए तो पश्चिम बंगाल में मिली करारी शिकस्त के बाद भाजपा को इन राज्यों से काफी उम्मीदें हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर अपना दबदबा कायम रखना है तो भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में सरकार को बचाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा को कुछ खास सफलता नहीं मिल पाई है। झारखंड में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा। महाराष्ट्र में गठबंधन कर चुनाव मैदान में उतरने वाली भाजपा को चुनाव बाद बड़ा झटका लगा। हरियाणा में 2014 के मुकाबले 2019 में सीटों की संख्या काफी कम रही। बंगाल में पार्टी को काफी उम्मीदें थी लेकिन वह पूरी नहीं हो सकी। असम, बिहार और पुडुचेरी में भाजपा को सफलता जरूर हाथ लगी। यही कारण है कि माना जा रहा है कि इन विधानसभा चुनावों में पार्टी पूरी दमखम के साथ चुनावी मैदान में उतरना चाहेगी। कहते हैं कि अगर दिल्ली की सत्ता में आपको अपना दबदबा कायम रखना है तो उत्तर प्रदेश में आपको जीत हासिल करना बेहद जरूरी है। लखनऊ के रास्ते ही दिल्ली तक पहुंचा जा सकता है। यही कारण है कि भाजपा उत्तर प्रदेश में हर हाल में अपनी सत्ता को बरकरार रखना चाहती है। इसी वजह से पार्टी का पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर है। उत्तर प्रदेश में पिछले 30 साल से ज्यादा के इतिहास को देखें तो कोई भी पार्टी लगातार दो बार सत्ता में नहीं आई है। योगी आदित्यनाथ कहते है कि हम रिकॉर्ड तोड़ने के लिए ही आए है। 2014 के बाद उत्तर प्रदेश में भाजपा का दबदबा रहा है। 2017 और 2019 के चुनाव में भी भाजपा ने यहां कमाल किया। उत्तर प्रदेश में अगर पार्टी जीतती है तो कहीं ना कहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज पर भी मुहर लगेगा। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में अगर भाजपा इस चुनाव में भी बाजी मार लेती है तो मोदी सरकार की राजनीतिक पूंजी में काफी इजाफा हो सकता है और केंद्र की सरकार आगे कई बड़े कदम भी उठा सकती है। वर्तमान में देखे तो कृषि कानूनों का मुद्दा उत्तर प्रदेश में ठंडा पड़ता दिखाई दे रहा है लेकिन कहीं ना कहीं चुनाव में यह बड़ा रोल अदा कर सकता है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने हिंदुत्व के रथ को भी आगे बढ़ाना चाहती है। योगी आदित्यनाथ की सरकार की छवि भी ऐसी है कि चुनाव अपने आप में ध्रुवीकृत हो सकता है। अगर यूपी के चुनाव में भाजपा को नुकसान होता है तो हिंदुत्व की धारा कमजोर पड़ सकती है और यही कारण है कि भाजपा पूरे दमखम के साथ राम मंदिर जैसे मसले को उठा रही है। पार्टी सवर्ण और ओबीसी को लामबंद करने की कोशिश में है ताकि चुनावी फायदा उठाया जा सके। राजनीतिक लिहाज से देखें तो यह तीनों राज्य छोटे जरूर हैं लेकिन सभी पार्टियों के लिए आकर्षण का केंद्र भी है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकार है। पूर्वोत्तर में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए भाजपा मणिपुर में पूरा दमखम लगा रही है। कांग्रेस भी मणिपुर में पार्टी को टक्कर देने की कोशिश में है। गोवा में भाजपा सरकार को पटखनी देने के लिए कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी चुनावी मैदान में है। जबकि उत्तराखंड में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक आम आदमी पार्टी के राज्य में चुनावी मैदान में उतरने के बाद मुकाबले दिलचस्प जरूर हो सकते है। भाजपा ने त्रिवेंद्र सिंह रावत और तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री पद से हटाकर 'दजप-पदबनउइमदबल को कम करने की जरूर कोशिश की और उसे उम्मीद है कि पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में एक बार फिर यहां कमल खिलेगा। पंजाब से भाजपा को बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं है। लेकिन कांग्रेस के लिए पंजाब एक बड़ी चुनौती है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अलावा पंजाब में ही कांग्रेस अपने दमखम के साथ सरकार में थी। काफी विवादों के बाद पार्टी ने अमरिंदर सिंह को किनारे कर चरणजीत सिंह चन्नी को नेतृत्व सौंपा। पार्टी चरणजीत सिंह चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू के नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरने वाली है। हालांकि उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती वहां आम आदमी पार्टी है। कांग्रेस हर हाल में पंजाब में अपनी सरकार को बरकरार रखना चाहती है। जबकि आम आदमी पार्टी दिल्ली के बाहर दूसरे राज्यों में अपनी सत्ता की सपने संजोए हुए है। पंजाब चुनाव में ड्रग्स एक बड़ा मसला है और सभी पार्टियां इसे चुनावी मुद्दा बनाकर चुनाव मैदान में उतरने जा रही है। अमरिंदर सिंह अपनी पार्टी बनाकर भाजपा के साथ चुनावी मैदान में है। ऐसे में यह चुनाव उनके लिए भी चौलेंज रहने वाला है।

सीएम चन्नी ने प्रियंका गांधी को पीएम की सुरक्षा की जानकारी ज़्यों दी, संबित पात्रा बोले, जवाब दे गांधी परिवार

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब में हुई सुरक्षा चूक को लेकर सियासत का माहौल अभी भी गर्माया हुआ है। वहीं, पीएम की सुरक्षा चूक को लेकर पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने बयान में कहा कि पीएम मोदी को पंजाब में कोई खतरा नहीं था। वे यहां पूरी तरह से सुरक्षित थे। उन्होंने कहा कि मैंने इस संबंध में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से बात की है और इस पूरे मामले से उन्हें अवगत कराया है। अब चन्नी के इसी बयान पर बीजेपी ने सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने पंजाब के सीएम पर पटलवार कर कहा कि आखिर एक मौजूदा सीएम ने प्रियंका गांधी वाड्रा को पीएम की सुरक्षा की जानकारी क्यों दी? संबित पात्रा ने सवाल पूछते हुए कहा है कि सीएम ने ऐसा क्यों किया। प्रियंका के पास कौन सा संवैधानिक पद है? उन्हें पीएम सुरक्षा को लेकर लूप में क्यों लिया गया? पात्रा यहीं नहीं रुके उन्होंने कांग्रेस व गांधी परिवार को कठघरे में खड़ा करते हुए पूछा कि पीएम सिक्योरिटी की जानकारी रखने वालीं प्रियंका गांधी होती कौन हैं। उन्होंने सीएम चन्नी पर तंज कसते हुए कहा कि चन्नी साहिब थोड़ा ईमानदार हो जाइए। आपने प्रियंका गांधी को अवश्य यह बात कही होगी कि काम हो गया सी3आपने जो बोला था,वो हो गया! यानी आपने जो कहा वह काम हो गया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पंजाब सीएम के रिकॉर्ड से यह कंफर्म हो चुका है कि उन्होंने आखिर किस अधिकार के तहत प्रियंका गांधी को पीएम की सुरक्षा की जानकारी दी गई। सीएम ने किस नियम के तहत पीएम की सिक्योरिटी जैसे संवेदनशील मामले में प्रियंका गांधी को सूचनाएं दी। प्रियंका गांधी कौन हैं जिन्हें एक मुख्यमंत्री ने सूचित किया? क्या प्रियंका गांधी किसी संवैधानिक पद पर हैं जो उन्हें जानकारी दी गई? क्या चीफ मिनिस्टर प्रियंका गांधी को यह रिपोर्ट कराने के लिए गए थे कि वह लक्ष्य से चूक गए। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने इस मुद्दे पर बीजेपी पर तंज कसा है। एक नीजि चौनल में उन्होंने कहा कि, मैं पीएम के लिए महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करा देता हूं। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई है। पंजाब को बदनाम करने वालों को पीछे मुड़ना पड़ा है। इसी के साथ ही कल चुनाव आयोग ने पंजाब में 14 फरवरी को चुनाव कराने का फैसला किया है। मतदान की गिनती 10 मार्च को कराई जाएगी। पंजाब में 117 सीटें हैं। 2017 के चुनाव में कांग्रेस ने 77 सीटें जीतीं थीं।

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच पीएम मोदी की बैठक

मौजूदा स्थिति से निपटने पर हुई चर्चा

(एजेंसी)

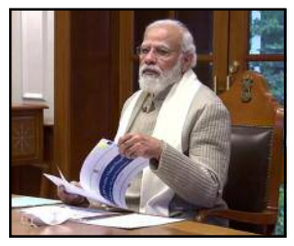

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर रविवार शाम एक उच्च स्तरीय बैठक में वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। यह जानकारी सरकारी सूत्रों ने दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई इस बैठक में कोविड-19 की ताजा स्थिति की समीक्षा की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक कोविड-19 के नये स्वरूप ओमीक्रोन से संक्रमण के 552 नए मामले सामने आने के बाद रविवार को देश इससे संक्रमित मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 3,623 हो गई है। मंत्रालय के सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,59,632 नए मामले सामने आए, जो पिछले 224 दिन में सामने आए सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 5,90,611 हो गई है, जो करीब 197 दिन में सर्वाधिक है। देश में पिछले 24 घंटे में 327 लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,83,790 हो गई है। ओमीक्रोन के 3,623 मामलों में से 1,409 लोग या तो देश से बाहर चले गए हैं या स्वस्थ हो गए हैं। महाराष्ट्र में ओमीक्रोन के सर्वाधिक 1,009 मामले सामने आए। इसके बाद दिल्ली में 513, कर्नाटक में 441, राजस्थान में 373, केरल में 333 और गुजरात में 204 मामले सामने आए। देश में इससे पहले पिछले साल 29 मई को संक्रमण के 1,65,553 मामले सामने आए थे।

भगवंत मान ने विरोधी पार्टियों को दी चुनौती, लोगों से की अपील

(एजेंसी)

चंडीगढ़। आप के नेता भगवंत मान ने प्रेस कान्फ्रेंस दौरान विरोधी पार्टियों को खुली बहस करने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यह खुली बहस विदेश की तर्ज पर होनी चाहिए। मान ने कहा कि आप एक मजबूत सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि वह एकता और भाईचारा बना कर रखेंगे। उनके द्वारा पंजाब में अमन-शांति भी लाई जाएगी। भगवंत मान ने कहा कि 10 मार्च को श्आपश् की मजबूत सरकार आएगी। पूरी पारदर्शिता से चुनाव लड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी तक रैली, रोड शो पर चुनाव आयोग द्वारा प्रतिबंध लगा दिया गया है। मान ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशों का अच्छी तरह से पालन किया जाएगा। भगवंत मान ने कहा कि आप पूरी तरह डोर-टू-डोर चुनाव प्रचार करने अच्छी तरह माहिर है। उन्होंने कहा कि आप द्वारा जल्द ही सी.एम चेहरे का नाम घोषित किया जाएगा। दूसरी तरफ आप नेता मान पैम्फलेट विवाद पर अपना स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी ऐसा पोस्टर जारी नहीं किया है। राजेवाल उनके पिता समान हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त समाज मोर्चे के साथ उनकी कभी बातचीत नहीं हुई। भगवंत मान ने लोगों से अपील है कि वह सोच-समझकर मतदान करें।

संसद के करीब 400 कर्मचारी कोविड संक्रमित, कार्यालय आने पर रोक

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों और संबद्ध सेवाओं से जुड़े करीब 400 कर्मचारी पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों को कार्यालय आने से रोक दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा सचिवालय के 65 कर्मचारी, लोकसभा सचिवालय के 200 और संबद्ध सेवाओं के 133 कर्मचारी गत चार जनवरी से आठ जनवरी के बीच नियमित कोविड जांच में संक्रमित पाए गये हैं। यह घटनाक्रम संसद के बजट सत्र से कुछ दिन पहले सामने आया है। बजट सत्र आमतौर पर जनवरी के अंत में शुरू होता है। कर्मचारियों में कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बाद राज्यसभा सचिवालय ने अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति पर प्रतिबंध लगा दिया है। नवीनतम निर्देशों के अनुसार, अवर सचिव या कार्यकारी अधिकारी के पद से नीचे के 50 प्रतिशत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिये इस महीने के अंत तक घर से काम करना अनिवार्य किया गया है। यह संख्या कुल कर्मचारियों का लगभग 65 प्रतिशत है। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने स्थिति की समीक्षा की और निर्देश दिया कि बजट सत्र से पहले सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच वायरस के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक उपाय किए जाएं।

विकलांग और गर्भवती महिलाओं को कार्यालय में आने से छूट है। भीड़भाड़ से बचने के लिए सचिवालय के शुरू और बंद होने का समय अलग-अलग कर दिया गया है। सभी आधिकारिक बैठकें डिजिटल माध्यम से होंगी। नायडू ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की कोरोना वायरस की जांच की जाए और संक्रमितों के ठीक होने के बाद भी कड़ी निगरानी रखी जाए और जरूरत पड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने और इलाज में मदद की जाए। लोकसभा सचिवालय ने हाल के एक सर्कुलर में कहा कि अवर सचिव स्तर से नीचे के 50 प्रतिशत अधिकारी अपने संबंधित निदेशकों द्वारा तय किए गए रोटेशन के अनुसार कार्यालय में उपस्थित होंगे। किसी विशेष दिन पर कार्यालय आने वाले सभी कर्मचारियों के आने के समय को सुबह 10 बजे से 10रू30 बजे के बीच भिन्न-भिन्न कर दिया गया है और इसी के अनुरूप वे कार्यालय से अलग-अलग समय पर बाहर जाएंगे, ताकि लिफ्ट और गलियारों में भीड़भाड़ कम हो।

24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,59,632 नये मामले

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। भारत में ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के 552 नए मामले सामने आने के बाद देश के 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के इस स्वरूप से अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 3,623 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को यह जानकारी दी गई। मंत्रालय के सुबह के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,59,632 नए मामले सामने आए, जो पिछले 224 दिन में सामने आए सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 5,90,611 हो गई है, जो करीब 197 दिन में सर्वाधिक है। इससे पहले पिछले साल 29 मई को संक्रमण के 1,65,553 मामले सामने आए थे। देश में पिछले 24 घंटे में 327 लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,83,790 हो गई है।

ओमीक्रोन के 3,623 मामलों में से 1,409 लोग या तो देश से बाहर चले गए हैं या स्वस्थ हो गए हैं। महाराष्ट्र में ओमीक्रोन के सर्वाधिक 1,009 मामले सामने आए। इसके बाद दिल्ली में 513, कर्नाटक में 441, राजस्थान में 373, केरल में 333 और गुजरात में 204 मामले सामने आए। आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में जिन 327 और मरीजों की मौत हुई है, उनमें 242 लोगों की केरल और 19 लोगों की मौत पश्चिम बंगाल में हुई। इस महामारी से अब तक कुल 4,83,790 मरीज जान गंवा चुके हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल कोविड से उबरे, कहा-सेवा में हाजिर हूं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि वह कोरोना वायरस के संक्रमण से उबर गए हैं और लोगों की सेवा में लौट आए हैं। मुख्यमंत्री के 4 जनवरी को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी और उन्होंने घर पर खुद को पृथक कर लिया था। उनमें बीमारी के हल्क लक्षण थे। केजरीवाल ने रविवार सुबह ट्वीट किया, करोना से ठीक होकर मैं वापिस आपकी सेवा में हाजिर हूं। केजरीवाल ने 3 जनवरी को उत्तराखंड के देहरादून में एक रैली की थी जिसके अगले दिन उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। पिछले साल अप्रैल में केजरीवाल की पत्नी सुनीता कोविड-19 से पीड़ित हो गई थीं। केजरीवाल में भी संक्रमण के लक्षण दिखे थे लेकिन जांच में वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि नहीं हुई थी।

अदालतों में 'बार और बेंच' के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध जरूरी: उच्चतम न्यायालय

(एजेंसी) नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अदालतों में न्याय प्रशासन को सुचारू तरीके से चलाने के लिए बार (वकील) और बेंच (पीठ) के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध जरूरी है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने यह टिप्पणी एक वकील द्वारा दायर याचिका का निस्तारण करते हुए की, जिसने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। अधिवक्ता के व्यवहार पर संज्ञान लेते हुए उच्च न्यायालय ने उसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मामले को बार काउंसिल को भेजा था। उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ अधिवक्ता ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसपर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा, ''अदालत में न्याय प्रशासन के सुचारु तरीके से चलने के लिए बार और बेंच के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध अनिवार्य है। किसी भी अधिवक्ता को अदालत में अभद्र व्यवहार का लाभ नहीं मिलना चाहिए।'' उच्चतम न्यायालय ने कहा, ''इससे अंततरू अदालत कक्ष का माहौल खराब होता है और अंततरू यह वादी के मामले को खराब कर सकता है और वादी बिना गलती के नतीजा भुगत सकता है। उत्तराखंड उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे वकील ने अपने कृत्य के लिये उच्च न्यायालय के सामने बिना शर्त माफी मांगी, जिसके कारण वह आदेश पारित किया गया। याचिकाकर्ता ने बिना शर्त माफी मांगी और शीर्ष अदालत के समक्ष हलफ नामा दिया कि भविष्य में उसकी ओर से ऐसा व्यवहार दोबारा नहीं होगा। इसके बाद शीर्ष अदालत ने वकील से कहा कि वह उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सामने बिना शर्त माफी मांगे और उच्च न्यायालय से उसकी माफी पर विचार करने का अनुरोध किया। शीर्ष अदालत ने कहा, ''हमें यह जानकर खुशी है कि एकल न्यायाधीश ने दया दिखाई और याचिकाकर्ता की तरफ से बिना शर्त मांगी गई माफी को स्वीकार कर लिया है। 24 दिसंबर 2021 के आदेश में उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता की ओर से मांगी गई बिना शर्त माफी को स्वीकार करते हुए पहले के आदेश को वापस ले लिया है। पीठ ने कहा कि इसके मद्देनजर इस मामले में आदेश पारित करने की जरूरत नहीं है और याचिका का निस्तारण किया जाता है।

आईएसआईएस के खतरे से निपटने के लिए तालिबान ने उठाया कदम

आत्मघाती हमलावरों की करेगा सेना में भर्ती

एजेंसी, तालिबान आधिकारिक तौर पर सेना का हिस्सा बनने के लिए आत्मघाती हमलावरों की भर्ती करेगा। काबुल पर कब्जे के बाद से प्रतिद्वंद्वी इस्लामिक स्टेट तालिबान के लिए सबसे बड़े सुरक्षा खतरे के रूप में सामने आया है। पिछले साल सत्ता में आने से पहले, तालिबान ने 20 साल के युद्ध में अमेरिकी और अफगान सैनिकों पर हमला करने और उन्हें हराने के लिए आत्मघाती हमलावरों को एक महत्वपूर्ण हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था। तालिबान के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि अब समूह एक इकाई के तहत काम करने और अफगानिस्तान की रक्षा के लिए देश भर में आत्मघाती हमलावरों के बिखरे हुए दस्तों को सुधारना और संगठित करना चाहता है। उनका मुख्य लक्ष्य अब इस्लामिक स्टेट की स्थानीय शाखा होगी।

करीमी ने कहा कि विशेष बल जिनमें जान कुर्बान करने वाले शामिल हैं का उपयोग अधिक परिष्कृत और विशेष अभियानों के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी समूह देश भर में और सीमाओं पर ष्रक्षा को मजबूत करने के लिए एक मजबूत और संगठित सेना का निर्माण कर रहा है, जिसमें आत्मघाती हमलावर रणनीति का एक अभिन्न हिस्सा बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा , इस बीच, तालिबान शासन ने कहा है कि वह सीमा पर बाड़ लगाने के विवादास्पद मुद्दे पर पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच डूरंड रेखा पर पाकिस्तान द्वारा बाड़ लगाने की अनुमति नहीं देगा। तालिबान के कमांडर मावलवी सनाउल्लाह संगीन ने बुधवार को अफगानिस्तान के टोलो न्यूज को बताया, हम (तालिबान) किसी भी समय, किसी भी रूप में बाड़ लगाने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने (पाकिस्तान ने) पहले जो कुछ किया, हम अब इसकी अनुमति नहीं देंगे। अब कोई बाड़ नहीं होगी।

डूरंड रेखा को लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान की गाढ़ी दोस्ती में दरार

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल बाजवा के सेवा विस्तार पर फैसले में अभी वक्त है : इमरान खान

एजेंसी, नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के गठन के बाद इमरान सरकार में जश्न का माहौल था। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों को अब यह भय सता रहा है कि एक बार फिर दोनों देशों के बीच मौजूद डूरंड लाइन को लेकर विवाद बढ़ सकता है। डूरंड लाइन पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच की सीमा को कहा जाता है। अफगान की पूर्ववर्ती सरकार और तालिबान भी डूरंड लाइन का लंबे समय से विरोध करते रहे हैं। इस हफ्ते के शुरुआत में तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान में एक पश्तो चौनल से कहा था कि अफगान डूरंड रेखा पर पाकिस्तान की बनाई गई बाड़ का विरोध करते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क या तालिबान और इमरान सरकार में सीमा विवाद को लेकर खटपट हो सकती है आखिर क या है डूरंड रेखा

1- प्रो. हर्ष वी पंत ने कहा कि ब्रिटिश सरकार ने तत्कालीन भारत के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों पर नियंत्रण मजबूत करने के लिए 1893 में अफगानिस् तान के साथ 2640 किमी लंबी सीमा रेखा खींची थी। पाकिस्तान और अफगानिस् तान के बीच की इस अंतरराष्ट्रीय सीमा को डूरंड लाइन के नाम से जाना जाता है। खास बात यह है कि अफगानिस्तान ने इस सीमा रेखा को कभी भी मान्यता नहीं दी है। यह करार काबुल में ब्रिटिश इंडिया के तत्कालीन विदेश सचिव सर मार्टिमर डूरंड और अमीर अब्दुर रहमान खान के बीच हुआ था, लेकिन काबुल पर जो चाहे राज करे, डूरंड लाइन पर सबकी सहमति नहीं है। कोई अफ गान इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं मानता है।

2- प्रो. पंत का कहना है कि अफगानिस्तान की किसी भी सरकार ने डूरंड लाइन को स्वीकार नहीं किया है, क्योंकि उनका कहना है कि यह सीमा रेखा अंग्रेजों ने अपनी सुविधा के लिए बनाई थी। 1923 में किंग अमानुल्ला से लेकर मौजूदा हुकूमत तक डूरंड लाइन के बारे में धारणा यही है। तालिबान ने ये कुछ नया नहीं किया है। पिछली बार जब तालिबान सत्ता में थे, तब भी वे पाकिस्तानी समर्थन पर ही निर्भर थे। उस समय भी तत कालीन नवाज शरीफ सरकार ने डूरंड लाइन को अंतरराष्ट्रीय बार्डर बनाने की काफी कोशिश की थी, लेकिन बात बनी नहीं। 3- प्रो. पंत का कहना है कि तालिबान और पाकिस्तान के संबंध में बदलाव आना स्वभाविक है। एक आतंकवादी गुट होने और एक सरकार होने की जिम् मेदारी और उद्देश्यों में अंतर होता है। पहले तालिबान की पाकिस्तान पर निर्भरता इसलिए थी कि वो काबुल से जूझ रहे थे। पाकिस्तान को तालिबान की अलग भाषा पर नाराजगी हो सकती है। तालिबान के शीर्ष नेतृत्व ने बार-बार दोहराया है कि वे अपनी जमीन को पड़ोसी देश के विरुद्ध इस्तेमाल नहीं होनें देंगे। यहां तक कि जम्मू-कश्मीर से 370 हटाने के मसले पर भी तालिबान ने कहा था कि यह भारत का अंदरूनी मामला है और हम इसमें दखलअंदाजी नहीं करेंगे।

तालिबान शुरू से करता है डूरंड रेखा का विरोध

अफगानिस्तान के बहुसंख्यक पश्तून और तालिबान ने कभी भी डूरंड लाइन को आधिकारिक सीमा रेखा नहीं माना है। नई अफ गान सरकार इस मुद्दे पर अपनी स्थिति का साफ करते हुए कहा है कि पाकिस्तान की बनाई बाड़ ने लोगों को अलग कर दिया है और परिवारों को विभाजित कर दिया है। हम सीमा पर एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल बनाना चाहते हैं, इसलिए अवरोध पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उन्होंने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के कार्यकाल के विस्तार के बारे में अभी नहीं सोचा है क्योंकि उनके कार्यकाल के समाप्त होने में अब भी समय है।

'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बाजवा के कार्यकाल में विस्तार के विवादास्पद मुद्दे पर प्रधानमंत्री खान ने कहा कि सैन्य नेतृत्व के साथ उनके अभूतपूर्व संबंध हैं। प्रधानमंत्री के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, ''मौजूदा साल अभी शुरू ही हुआ है और नवंबर अभी दूर है। फिर सेना प्रमुख के कार्यकाल में विस्तार की चिंता क्यों है।'' खान ने कहा कि उन्होंने अब तक सीओएएस बाजवा के कार्यकाल में विस्तार के बारे में नहीं सोचा है। बाजवा (61) सेना प्रमुख के पद पर 28 नवंबर, 2022 तक रहेंगे। खान के करीबी, बाजवा अपने तीन साल के मूल कार्यकाल के खत्म होने पर 29 नवंबर, 2019 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन प्रधानमंत्री खान ने एक अधिसूचना के माध्यम से क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए सेना प्रमुख को उतने ही समय का एक और सेवा विस्तार दिया। उच्चतम न्यायालय ने 28 नवंबर को सरकारी आदेश को यह कहकर निलंबित कर दिया कि सेना प्रमुख के कार्यकाल को बढ़ाने के लिए कोई कानून नहीं है। लेकिन शीर्ष अदालत ने सरकार के इस आश्वासन पर जनरल बाजवा को छह महीने का विस्तार दिया कि संसद छह महीने के भीतर किसी सेना प्रमुख के सेवा विस्तार/पुनर्नियुक्ति पर कानून पारित करेगी। सरकार ने प्रारंभिक गतिरोध के बाद मुख्य विपक्षी दलों का समर्थन हासिल किया और सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों और ज्वाइंट चीफऑफस्टाफसमिति के अध्यक्ष पद के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 60 से 64 वर्ष तक बढ़ाने के संबंध में नेशनल असेंबली में तीन विधेयक पेश किए। सरकार गिराने के संबंध में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और सेना के बीच संभावित समझौते की अफवाहों के बारे में खान ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से किसी तरह के दबाव में नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रिकेटर से नेता बने खान ने कहा कि उन्हें सहयोगियों का समर्थन प्राप्त है और उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी सरकार 2023 तक पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी।

मेडागास्कर ने मांगी मदद तो कोमोरोस कोस्ट गार्ड की मदद को पहुंचा आईएनएस - केसरी

एजेंसी, एंतानंरिवो, मेडागास्कर। भारतीय नौसना का पोत आईएनएस केसरी मेडागास्कर में कोमोरियन कोस्ट गार्ड (सीसीजी) की मदद के लिए पहुंच चुका है। आईएनएस केसरी मोडागास्कर के मोरोनी बंदरगाह पर पहुंचा। आपको बता दें कि मेडागास्कर के कोमोरियन कोस्ट गार्ड की मदद की गुहार पर भारतीय नौसेना का पोत वहां पर पहुंचा है। सीसीजी ने भारतीय नौसेना से तकनीकी मदद की गुहार लगाई थी। इसके ही मद्देनजर आईएनएस केसरी वहां पहुंचा है। आपको बता दें कि सीसीजी ने अपने पेट्रोलिंग वैसल पी002-एम कोंबोजी की रिपेयरिंग के लिए भारत से मदद दूतावास के जरिए मदद की गुहार लगाई थी। मदद की ये गुहार मेडागास्कर की तरफसे गोवा में खत्म हुए मेरीटाइम कंक्लेव के बाद की गई थी। भारत ने इस मदद की गुहार को स्वीकार करते हुए केसरी को वहां भेजा है। इसकी जानकारी मेडागास्कर में स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर दी है।

इससे पहले कोमोरियन कोस्ट गार्ड कमांडर के चीफमोद्जीब रहमने एडन गोवा में हुए मेरीटाइम कंक्लेव में भाग लेने के लिए भारत आए थे। इसका आयोजन पिछले वर्ष 7-9 नवंबर के बीच किया गया था। इससे भी पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और कोमोरोस के विदेश मंत्री के बीच 25 अप्रैल 2020 को फोन पर वार्ता भी हुई थी। ये वार्ता कोमोरोस में मेडिकल असिसटेंस भेजने के मुद्दे पर हुई थी। जून 2020 को भारत का नौसेना पोत केसरी कोरोना से बचाव की जरूरी सामग्री लेकर जिसमें दवाएं, डाक्टर समेत और चीजें मौजूद थीं मेडागास्कर पहुंचा था। उस वक्त भारतीय डाक्टरों के दल ने वहां के डाक्टरों के साथ मिलकर कोरोना से जूझते मरीजों के लिए काफी काम किया था। भारतीय दल और पोत उनके लिए एक दूत बनकर आया था।

इस दिन हुआ था अमेरिकी संसद भवन पर हमला

जो बाइडेन ने ट्रंप को आड़े हाथों लिया

एजेंसी, वाशिंगटन।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों पर चुनाव को लेकर झूठ बालने और लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया। कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) पर हुए हमले के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर बाइडन ने यह बयान दिया।

गौरतलब है कि ट्रंप ने तीन नवंबर 2020 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी और उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। ट्रंप के इन आरोपों के बीच संसद भवन पर उनके समर्थकों ने छह जनवरी को कथित तौर पर हिंसा की थी। बाइडन ने कहा, ''इतिहास में पहली बार, एक राष्ट्रपति केवल चुनाव नहीं हारा, बल्कि हिंसक भीड़ के कैपिटल में हिंसा करने से, उसने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को रोकने की कोशिश भी की। पूर्व राष्ट्रपति के समर्थक इतिहास को पुनरूलिखने की कोशिश कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि आप चुनाव के दिन को विद्रोह के दिन के रूप में और छह जनवरी को यहां हुए दंगों को लोगों की इच्छा की सच्ची अभिव्यक्ति के रूप में देखें।'' राष्ट्रपति ने कहा, '' हमें इस बात को लेकर स्पष्ट होना चाहिए कि क्या सच है और क्या झूठ। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने 2020 चुनाव को लेकर कई झूठ फैलाएं हैं। कैपिटल में बाइडन के भाषण के दौरान अधिकतर रिपब्लिकन सांसदों की अनुपस्थिति या चुप्पी ने देश में विभाजन को काफी हद तक रेखांकित किया।

इससे पहले, हमेशा बाइडन ने हमले का उल्लेख काफी संयम से किया था, लेकिन उन्होंने काफी आक्रामक भाषण दिया। वहीं, फ्लोरिडा में ट्रंप ने एक बार फिर 2020 राष्ट्रपति चुनाव पर सवाल उठाए। उन्होंने छह जनवरी को कैपिटल में हजारों समर्थकों को भेजने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली, जब उन्होंने अपने समर्थकों से कहा था कि लड़ने में जान लगा दो। यहां तक कि कुछ रिपब्लिकन नेता जिन्होंने हमले की निंदा की थी, उन्होंने भी अपने सुर बदल लिए और इस तरह के बयान दिए कि जैसे कि वह ट्रंप से सहमत हों। दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने ट्वीट किया, ''राष्ट्रपति बाइडन ने छह जनवरी को लेकर क्या निर्लज राजनीति की''। रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल, जिन्होंने पहले कहा था कि ट्रंप ''व्यावहारिक और नैतिक रूप से'' हमले के लिए जिम्मेदार थे...अब उन्होंने एक बयान जारी कर उस दिन की गंभीरता पर प्रकाश डाला, साथ ही यह भी कहा कि कुछ डेमोक्रेट अन्य उद्देश्यों के लिए इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

बाउंस ने लॉन्च किया भारत का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर

एजेंसी, बीते साल के आखिरी महीने 2 दिसंबर को बेंगलुरु स्टेट इलेक्ट्रिक स्टार्टअप मोबिलिटी बाउंस ने अपना पहला इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर बाउंस इंफिनिटी ई1 लॉन्च किया था। यह भारत का पहला ऐसा स्कूटर है जो बिना बैटरी के आ रहा है इसे चार्ज करने की भी जरूरत नहीं है। क्योंकि बाउंस ने इस स्कूटर को बैटरी ऐज ए सर्विस विकल्प के साथ पेश किया है। इस खबर में हम आपको आज स्कूटर की खासियत बताने जा रहे हैं।

लुक और डिजाइन

कई बार बाउंस इंफिनिटी इलेक्ट्रक स्कूटर को टेस्टिंग के दौरान देखा गया था। यह स्कूटर देखने में कैसा है और इसमें क्या खूबियां है इसकी बात करें तो एयरोडायनेमिक डिजाइन वाले इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में रेट्रो डिजाइन वाले फ्रंट फेंडर, राउंड हैंडलैंप, साइड टेललैंप, और सपोर्ट ऑयल व्हील भी है।बाउंस इंफिनिटी इलेक्ट्रिक स्कूटर में टेलीस्कोपिक फ्रंट फॉर्क, सिंगल डिस्क ब्रेक ओरिजिनल सस्पेंशन के साथ ही सिंगल पीस सीट, एलसीडी स्टूमेंट कंसोल, ब्लूटूथ और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ कई लेटेस्ट फीचर्स हैं जो की ओला एस1, एथेर 450एक्स, सिंपल वन, टीवीएस आइक्यूब के साथ अन्य पॉपुलर इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में है। सर्विस के तौर पर बैटरी विकल्प आखिर क्या है इस बारे में बाउंस के सीईओ और सह संस्थापक विवेकानंद हालकरे ने बताया कि हाल ही में लांच किया गया बाउंस इंफिनिटी ई1 भारतीय बाजार में अपनी तरह का पहला स्कूटर है जो बैटरी ऐज ए सर्विस विकल्प के साथ आ रहा है। बिना बैटरी वाले इस स्कूटर की चार्जिंग को लेकर ग्राहकों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए कंपनी अपनी ओर से बैटरी स्वैपिंग की सुविधा उपलब्ध करा रही है। जब भी ग्राहक बाउंस स्वाइपिंग नेटवर्क से खाली बैटरी को चार्ज बैटरी के साथ स्वैप करेगा, उसे इसका भुगतान करना होगा। यह पारंपरिक पेट्रोल स्कूटर की तुलना में लागत को 40 प्रतिशत तक कम कर देता है। आप चाहे तो बाउंस इंफि निटी 1 को बैटरी के साथ भी खरीद सकते हैं। आप स्कूटर से इसकी बैटरी को निकाल सकते हैं। अगर घर या ऑफिस में कहीं भी सुविधा हो तो इसे चार्ज कर सकते हैं।

बैटरी और चारजर के साथ इसकी कीमत 68,999 रुपये है। इसमें रिमूवेबल लिथियम आयन बैट्री पैक मिलता है जो एक बार चार्ज करने पर 85 किलोमीटर चल सकता है। आपको यह भी बता दें कि,दिल्ली एक्स शोरूम में इसकी कीमत 45,099 रुपये है।

इस महीने महंगी हो रही है पंजाब नेशनल बैंक की बैंकिंग सेवाएं

चेक कर लें कहां वसूली जाएगी डबल फीस

एजेंसी, नई दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहकों के लिए इस महीने से बैंकिंग महंगी होने जा रही है। उन्हें अब कुछ सर्विस के लिए डबल चार्ज चुकाने होंगे। मसलन मिनिमम बैलेंस, लॉकर चार्ज और दूसरी सर्विस की फीस में बैंक ने बढ़ोतरी कर दी है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 15 जनवरी, 2022 से सामान्य बैंकिंग परिचालन से जुड़ी सर्विस की फ ीस बढ़ाई है। पीएनबी की वेबसाइट पर दिए संशोधित टैरिफ के अनुसार, मेट्रो क्षेत्र में की लिमिट मौजूदा 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर चार्ज 200 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति तिमाही कर दिया गया है। शहरी और मेट्रो क्षेत्रों के लिए इसे 300 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये कर दिया गया है। अतिरिक्त बड़े आकार के लॉकर (ठंदा स्वबामत बींतहम) को छोड़कर सभी क्षेत्रों और सभी प्रकार के लॉकरों के लिए लॉकर फीस में बढ़ोतरी की गई है। शहरी और मेट्रो क्षेत्रों में लॉकर शुल्क में 500 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले, हर साल लॉकर विजिट की संख्या पूरे साल में 15 फ्री विजिट तय की गई थीं। इसके बाद 100 रुपये फीस हरेक विजिट पर लगा दी गई। 15 जनवरी 2021 से साल में फ्री लॉकर विजिट की संख्या 15 से घटाकर 12 कर दी गई। इसके बाद लॉकर चेक करने जाने पर 100 रुपये देने पड़ते थे। चालू खाते 12 महीने में बंद करने पर फीस 600 रुपये से बढ़ाकर 800 रुपये ली जाएगी। जबकि 12 महीने के बाद बंद किए गए खातों पर शुल्क नहीं लगाया जाएगा। एक फरवरी से एनएसीएच डेबिट पर रिटर्न चार्ज 100 रुपये की जगह 250 रुपये लिया जाएगा।

पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम के दूसरे फेज की जिम्मेदारी सरकार ने टीसीएस को सौंपी

एजेंसी, नई दिल्ली । टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस ने कहा कि पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम के दूसरे चरण के लिए विदेश मंत्रालय ने उसे चुना है।

टीसीएस ने एक बयान में कहा कि कार्यक्रम के अगले चरण में कंपनी वर्तमान सुविधाओं और प्रणालियों पर नए सिरे से काम करेगी, ई-पासपोर्ट जारी करने के लिए नवोन्मेषी तरीके विकसित करेगी और बायोमैट्रिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक डेटा एनालिटिक्स, चैटबोट्स, ऑटो-रेस्पांस, प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया और क्लाउड जैसी प्रौद्योगिकियों की मदद से लोगों के अनुभव को बेहतर बनाएगी।

पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम की शुरुआत 2008 में हुई थी और इसके तहत टीसीएस ने पासपोर्ट से जुड़ी सेवाएं प्रदान करने के तरीके बदले, प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया तथा समयबद्धता, पारदर्शिता और निर्भरता के मामले में वैश्विक मापदंड स्थापित किए। टीसीएस बिजनेस यूनिट प्रमुख (सार्वजनिक क्षेत्र) तेज भाटला ने कहा कि डिजिटल इंडिया के निर्माण में टीसीएस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जरूरतमंदों की सहायता के लिए इस्कॉन द्वारका ने फिर शुरू की मुहिम

असहाय व कमजोर लोगों को भोजन वितरण का संकल्प

नई दिल्ली । प्रकृति हमारे साथ पिछले दो साल से आँखमिचौली खेल रही है। कोरोना कभी जाता है, कभी मुड़कर फिर वापस आ जाता है। इस्कॉन द्वारका दिल्ली ने संकट की इस घड़ी में एक बार फिर से समाज के कमजोर व असहाय लोगों की खाद्य सेवा करने का संकल्प लिया है। ज्ञात हो कि द इस्कॉन फूड फॉर लाइफ द्वारका के इस मंच से कोरोना संकट में अब तक 3.5 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को भोजन वितरण किया गया। पहले लॉकडाउन के दौरान पाँच लाख से भी ज्यादा लोगों को प्रतिदिन खाना खिलाया गया था। दूसरी लहर में कोरोना मरीजों के लिए 40 हजार थालियाँ प्रतिदिन भेजी जाती थीं और 200 बिस्तरों का एक कोविड केयर सेंटर बनाया गया था। अब कोरोना की तीसरी लहर के दस्तक देते ही फिर इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है। इसे देखते हुए इस्कॉन द्वारका ने खाद्य वितरण की सारी तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं।

द फूड फॉर लाइफ कार्यक्रम के तहत श्रवण कुमार सेवा के अंतर्गत बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं व कोरोना पीड़ितों को उनके घर तक भोजन पहुँचाया जाएगा। इस बार लोगों की रूचि का खयाल रखते हुए प्रांतों के अनुसार भोजन वितरण की व्यवस्था की गई है। अगर किसी को साउथ इंडियन थाली चाहिए और किसी को नार्थ इंडियन, किसी को पनीर थाली तो किसी को डायबिटीज थाली, हर प्रकार की थाली उपलब्ध है। श्रील गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज, इस्कॉन जीबीसी और बीबीटी ट्रस्टी का कहना है कि इस्कॉन मानवता की सेवा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहता है। कोविड संकट के समय ज़रूरतमंदों के लिए पौष्टिक भोजन उनके दरवाज़े तक पहुँचाना सुनिश्चित कर रहे हैं। इस मुहिम में सरकार के सहयोग के साथ ही हमारा यह प्रयास सफल हो रहा है। व्यापारिक जगत से भी इस सेवा में लोग हमारे साथ आए हैं। इनमें अदानी समूह, केईआई, जिंदल पॉली फिल्म्स व ओएनजीसी का नाम शामिल है। इस्कॉन द्वारका में बतौर अध्यक्ष अपनी सेवाएँ दे रहे प्रद्युम्न प्रिय प्रभु कहना है कि प्रतिदिन पर्याप्त पोषणयुक्त भोजन इस महामारी के दौरान स्वास्थ्य के जोखिम को कम करता है।

पंजाब सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही भाजपा :जयकिशन

नई दिल्ली। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुरक्षा पर कथित तौर पर हुई चूक पर मचे बवाल के बीच दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है! प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष और सुल्तानपुरी के पूर्व विधायक श्री जयकिशन ने कहा कि यह पूरी तरह से पंजाब सरकार को बदनाम करने की साजिश है! प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर सवाल उठाने वालों को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए! उन्होने कहा कि जब प्रधानमंत्री की रैली में लोग नहीं आए और उन्हें हवाई यात्रा मार्ग के बजाय सड़क मार्ग से जाने का रास्ता तय हुआ तो अकस्मात कुछ किसानों ने अपनी मांगों के लिए प्रधानमंत्री से मिलने के लिए सड़क पर आना क्या गुनाह है? इसमें पंजाब सरकार की सुरक्षा को बदनाम करने का सवाल कहां उठता है?

> जब प्रधानमंत्री की रैली में लोग नहीं आए और उन्हें हवाई यात्रा मार्ग के बजाय सड़क मार्ग से जाने का रास्ता तय हुआ तो अकस्मात कुछ किसानों ने अपनी मांगों के लिए प्रधानमंत्री से मिलने के लिए सड़क पर आना क्या गुनाह है? इसमें पंजाब सरकार की सुरक्षा को बदनाम करने का सवाल कहां उठता है?

उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी कांग्रेस के बढ़ते वर्चस्व से घबरा गई है ! यह दोनों ही पार्टी एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं! जिस पार्टी ने आज तक अपने पीठ पर एक डंडा नहीं खाया है उसे देश हित में बोलने का कोई अधिकार नहीं है!

पूर्व विधायक जयकिशन ने कहा कि दिल्ली में विधानसभा में विपक्ष के नेता भाजपा विधायक रामवीर सिंह बिधूरी राहुल गांधी को आखरी बादशाह बताकर खुद अपने पैर में कुल्हाड़ी मार रहे हैं जिस कांग्रेस की बदौलत रामवीर सिंह बिधूरी आज दिल्ली की राजनीति में खुद को बहुत बड़ा नेता मानते हैं ! उन्हें राहुल राहुल गांधी की दिलेरी का पता नहीं है ! रामवीर सिंह बिधूरी को राहुल गांधी पर बात करने की हिम्मत कैसे आई है , जिसके जन्म में राज कुंडली लिखा हो वह राजकुमार 15 साल तक बिना किसी पद के राष्ट्रीय राजनीति में रहे और कांग्रेस को पूरी तरह से शासन करने की छूट देते रहे! जयकिशन ने कहा कि महात्मा गांधी, राजगुरु, मंगल पांडे जैसे देश भक्त थे, जो गांधी परिवार की कुर्बानी को जानते थे! बीजेपी के किसी नेता के पास सिवाय सांप्रदायिकता का चोला ओढ़ने के और सत्ता हथियाने के कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है! उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 15 लाख की झूठी घोषणा झूठ का पुलिंदा साबित हुई है! पूरे देश में घर घर सिलेंडर बांटने और गरीबो को पक्का घर देने का जिस तरह से नाटक किया गया है उसे जनता पूरी तरह से समझ रही है ! आने वाले समय में इसका जवाब चाहिए!

जय किशन ने आम आदमी पार्टी को राजनीतिक पार्टी के रूप में जीरो की संज्ञा दी है !उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक पार्टी नहीं जीरो पार्टी है जिसका ना कोई इतिहास है ना कोई संविधान! एक आंदोलन को भुनाकर फ़िर लोगों को बरगला कर जिस तरह सत्ता में आया है उसी तरह चला भी जाएगा! इसका नामोनिशान नहीं रहेगा इसलिए देश भर में कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जो दलितों और वंचितों के दर्द को समझते हुए देश हित में काम कर रही है और आगे आने वाला समय कांग्रेस का कोई रोक नहीं सकता है!

डीटीए ने की कर्मचारियों को हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा देने की मांग

बढ़ सकती है कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर

■ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (डीटीए) ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के एडहॉक शिक्षकों/कांट्रेक्चअल कर्मचारियों को भी हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। कोरोना महामारी के चलते तीसरी लहर के आने से डीयू में लगातार कोविड के मामलों में वृद्धि हो रही है। विभिन्न कॉलेजों/विभागों में स्थायी व एडहॉक टीचर्स/कर्मचारियों के कोरोना होने की खबरें आ रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन/कॉलेज की ओर से एडहॉक शिक्षकों व कर्मचारियों को हेल्थ इंश्योरेंस जैसी किसी तरह की सुविधाएं नहीं है। डीटीए के अध्यक्ष डॉ हंसराज सुमन ने डीयू के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश कुमार सिंह से मांग की है कि कोविड-19 महामारी के चलते कर्मचारियों को कॉलेज/विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी आदि की किसी तरह की सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन एक सर्कुलर जारी कर प्रिंसिपलों को निर्देश दे कि कंट्रेक्चुअल कर्मचारियों का हेल्थ इंश्योरेंस 50 लाख रुपये और एडहॉक शिक्षकों का एक करोड़ रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस किया जाए। साथ ही उन्होंने कोविड के चलते इस वर्ष

शैक्षिक सत्र 2021-2022 में कॉलेजों में एडमिशन लिए सभी छात्रों को कॉलेज की ओर से उनका हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा संबंधी फॉर्म भरवाया जाना चाहिए।

यह फॉर्म उनसे ऑन लाइन भरवाना चाहिए। कोरोना काल में संक्रमित महामारी के फैलने से इसकी चपेट में ना आए, यदि कोई छात्र इसकी चपेट में आता है तो कॉलेज को इस छात्र का सम्पूर्ण इलाज की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इसलिए कॉलेज को छात्रों का भी 50 लाख रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी करना चाहिए। उन्होंने बताया है कि डीयू से संबद्ध कॉलेजों में एडहॉक टीचर्स व कंट्रक्चुअल कर्मचारी 15 से 20 वर्षो से व उससे अधिक से अपनी सेवाएं दे रहे है, लेकिन यदि किसी एडहॉक टीचर्स को कोरोना होने पर कॉलेज/ विश्वविद्यालय प्रशासन से उन्हें किसी तरह की कोई आर्थिक सहायता नहीं मिलती है। ये एडहॉक टीचर्स कोविड या किसी तरह की कोई अन्य बीमारी होने पर अपने पैसों से अस्पताल में इलाज कराते हैं, हालांकि डीयू में हेल्थ सेंटर सभी के लिए है लेकिन वहां सभी सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। उनका कहना है कि जबकि वे वर्षो से इन कॉलेजों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों/ शिक्षकों को प्राइवेट संस्थानों/ शिक्षण संस्थाओं में सुविधाएं दी जाती है लेकिन डीयू स्वायत संस्था होने पर उन्हें हेल्थ इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं है।

डॉ सुमन ने बताया है कि कोविड जैसी महामारी के समय आज सबसे बड़ी आवश्यकता है स्वास्थ्य सुरक्षा। ये सभी एडहॉक शिक्षकों/ कांट्रेक्चअल कर्मचारियों का कानूनन अधिकार है कि उनको स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने वाइस चांसलर से यह भी मांग की है कि कॉलेजों के खुलने पर सभी छात्रों/ शिक्षकों/ कर्मचारियों का चेकअप कॉलेज अपने स्तर पर कराए। उन्होंने यह भी मांग की है।

ताइक्वांडो चैंपियन से गैंगस्टर बना व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी दिल्ली के बदरपुर इलाके में पुलिस अधिकारी को नुकसान पहुंचाने का षड़यंत्र रचने के आरोप में ताइक्कांडो चैंपियन से गैंगस्टर बने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पलवल जिले का रहने वाला आरोपी अजय गुर्जर उर्फ भाई जी (41) जेल में अंकित गुर्जर नामक व्यक्ति की मौत का बदला लेना चाहता था इसलिए उसने तिहाड़ जेल के उपाधीक्षक को निशाना बनाया। पुलिस ने कहा कि अगस्त 2021 में दो लोगों के बीच हुई फोन

कॉल की रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर काफी प्रसारित हुई थी। इनमें से एक की पहचान पुलिस ने सतेंद्र उर्फ सत्ते के रूप में की थी। ऑडियो में सत्ते को दूसरे व्यक्ति से यह कहते हुए सुना गया कि वह प्रतिद्वंद्वी गिरोह के एक सदस्य की हत्या के लिए एके-47 राइफल का प्रबंध करे। इस दौरान उन्हें तिहाड़ जेल के उपाधीक्षक को नुकसान पहुंचाने के बारे में बात करते हुए भी सुना गया। अंकित तिहाड़ की केंद्रीय कारागार संख्या-3 में चार अगस्त 2021 को मृत पाया गया था। उसके शव पर कई घाव मिले थे। उसके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया था कि जेल कर्मियों की मिलीभगत से उसकी हत्या की गई।

पुलिस ने कहा कि 17 अगस्त को सत्ते की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने फोन कॉल में बात करने वाले दूसरे व्यक्ति की पहचान की, जो अजय गुर्जर था। पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) जसमीत सिंह ने कहा कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अजय बृहस्पतिवार शाम को बदरपुर में एक बस स्टैंड पर आने वाला है, जिसके बाद जाल बिछाकर उसे पकड़ लिया गया। पुलिस ने कहा कि अजय दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मुंबई में हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और हमले सहित 24 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। अंडरवर्ल्ड से संबंध रखने वाले अजय के चचेरे भाई जे.पी. गुर्जर ने उसे मुंबई के खूंखार गैंगस्टर हाफिज बलूच से मिलवाया था।

बाद में वह मुंबई चला गया और बलूच के घर पर रहने लगा। डीसीपी ने कहा कि गैंगस्टर की शान-शौकत वाली जीवन शैली से अजय बहुत प्रभावित हुआ और इसलिए, उसने जल्द ही मुंबई में तीन अन्य अंडरवर्ल्ड भगोड़ों-इकबाल इब्राहिम कास्कर (दाऊद इब्राहिम के भाई), सुभाष ठाकुर और आरिफ जान (छोटा शकील के बहनोई) के साथ संपर्क विकसित किया।

धार्मिक प्रतिष्ठानों की प्रबंध समितियों को दी गई कोरोना केयर किट

ओमीक्रोन के कारण कई देशों में यह संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है।

■ नई दिल्ली

दिल्ली में ओमीक्रोन के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने नई दिल्ली क्षेत्र की धार्मिक प्रतिष्ठानों की प्रबंध समितियों हनुमान मंदिर. कनॉट प्लेस, लक्ष्मी नारायण मंदिर.मालवीय नगर, नीलाचल सेवासंघ, कैलाशपति मंदिर. सफदरजं डेवलपमेंट एरिया, गुरुद्वारा. युसूफ सराय में कोरोना केयर किट का वितरण किया।

उपाध्याय ने बताया कि इस कोरोना केयर किट में मास्क, थर्मल थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर, दस्ताने, पीपीई किट और सैनिटाइजर सहित अन्य मेडिकल किट रखी गई है ।

उन्होंने यह भी बताया कि आध्यात्मिक गुरुओं की ये प्रबंधन समितिया मंदिरों और गुरुद्वारों में आने वाले आगंतुकों और लाभार्थियों की मदद के लिए आगे वितरित करेंगी। उपाध्याय ने कहा कि कोविड के नए वेरिएंट ओमीक्रोन के कारण कई देशों में यह संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। भारत में भी कई लोग ओमीक्रोन से संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि घबराएं नहीं और सावधान रहें,सतर्क रहें और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करे।

10 जनवरी को बीटेक के लिए ऑफलाइन काउंसलिंग

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी बीटेक और बीटेक लैटरल,एंट्री प्रोग्रामों के लिए द्वारका कैम्पस में ओपन हाउस ऑफलाइन काउन्सलिंग का आयोजन 10 जनवरी को करेगा। इन प्रोग्रामों में दाखिला लेने का यह आखिरी अवसर है। बीटेक में दाखिला जेईई मेन पेपर 1 के स्कोर पर होगा और बीटेक लैटरल एंट्री में दाखिला एंट्रन्स परीक्षा के स्कोर पर होगा। जिन्होंने अभी तक इन प्रोग्रामों में दाखिला नहीं लिया है वे इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाले दो लोग गिरफ्तार

■ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में मादक पदार्थों की आपूर्ति करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। शनिवार को यह जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान पूठ कलां गांव के निवासी बृजेश (26) और सुल्तानपुरी के रहने वाले विक्रम उर्फ बंटी (37) के रूप में की गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर, बुधवार को पुलिस ने बृजेश को उस वक्त पकड़ा जब वह मादक पदार्थ की आपूर्ति करने के लिए पूठ कलां स्थित शहीद भगत सिंह व्यायामशाला के पास आया था। अधिकारी ने कहा कि आरोपी के पास से सौ ग्राम हेरोइन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि बृजेश ने खुलासा किया कि वह विक्रम से मादक पदार्थ खरीदता था। अधिकारी ने कहा कि विक्रम को भी गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 15 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

पुलिस ने कहा कि बृजेश पहले एक मामले में शामिल था और अभी जमानत पर रिहा है। पुलिस ने कहा कि विक्रम पांच आपराधिक वारदात में शामिल रहा है।

जल भराव

राजधानी के आईटीओ आईपी फ्लाई ओवर के करीब जल जमाव के कारण वाहनों की आवाजाही में काफी परेशानी हुई।

पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिरोजपुर दौरे के दौरान सुरक्षा में हुई चूक के लिए दिल्ली प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष कौशल मिश्रा ने पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया। कौशल मिश्रा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा अपने राज्य में ही प्रधानमंत्री की अगुवाई ना करना और प्रधानमंत्री के काफिले में मुख्य सचिव और डीजीपी का ना होना ही साजिश को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह सब 10 जनपथ के इशारे पर ऐसा कुकृत्य पंजाब के मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया है। सारा देश हमारे प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है, उनका कोई बाल बांका भी नहीं कर सकता। प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मीडिया प्रभारी संजय तिवारी ने कहा कि पीएम की सुरक्षा के साथ जिस तरह की लापरवाही बरती गई वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। राजनीतिक मतभेद के

फर्जी चालानः ईडी ने मुंबई के कारोबारी की संपत्तियां कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने कथित फर्जी चालान बनाने से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत मुंबई के एक व्यवसाई की 1.37 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की हैं। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि शीला सेल्स कॉरपोरेशन नामक कंपनी के प्रवर्तक अशोक कुमार सिंह के खिलाफ कार्वाई की गई है। सिंह उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले हैं। बयान में कहा गया है, कुर्क की गई अचल संपत्तियों में मुंबई में तीन फ्लैट और जौनपुर में दो भूखंड व्यवसाई शामिल हैं जो उसके व परिवार के सदस्यों के नाम पर हैं।

छेड़छाड़ किया गया वीडियो पाकिस्तान से आया है : दिल्ली पुलिस

■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने एक कैबिनेट कमेटी का विकृत या छेड़छाड़ किया गया वीडियो सामने आने पर मामला दर्ज करने के एक दिन बाद शनिवार को कहा कि ये फुटेज पाकिस्तान से आए हैं। वीडियो में कुछ लोगों ने यह दिखाने की कोशिश की यह बैठक सिख समुदाय के खिलाफ थी।

पुलिस ने कहा था कि सोशल मीडिया की निगरानी के दौरान, यह देखा गया कि कुछ ट्विटर हैंडल के माध्यम से एक फर्जी अथवा छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो साझा किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हकीकत में यह वीडियो एक कैबिनेट कमेटी की बैठक का है, जो नौ दिसंबर 2021 को हुई थी। यह बैठक प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की हवाई दुर्घटना में मृत्यु के बाद हुई थी। वीडियो विभिन्न समाचार पोर्टलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आसानी से उपलब्ध था। पुलिस ने धारा 153ए के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की गई। उन्होंने कहा कि शुरुआत में दो अकाउंट की पहचान की गई,जिन्होंने उस वीडियो को फैलाया।

पुलिस ने कहा कि तकनीकी जांच में सामने आया कि अनेक अकाउंट हैं, जिन्होंने उसी वीडियो को उसी विषयवस्तु और हैशटैग के साथ ट्वीट किया।

मिशनरीज ऑफ चैरिटी का विदेशों से निधि लेने का लाइसेंस बहाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मिशनरीज ऑफ चैरिटी का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकरण बहाल कर दिया है। मंत्रालय ने कुछ दिन पहले प्रतिकूल सूचनाएं मिलने के बाद इसका एफसीआरए पंजीकरण रद्द कर दिया था। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि एफसीआरए लाइसेंस बहाल होने से कोलकाता स्थित यह संगठन अब विदेशों से निधि प्राप्त कर सकेगा और बैंकों में रखे धन का भी उपयोग कर सकेगा। मिशनरीज ऑफ चैरिटी एक कैथोलिक धार्मिक संगठन है जिसकी स्थापना नोबेल पुरस्कार विजेता मदर टेरेसा ने गरीबों और बेसहारा लोगों की मदद करने के लिए 1950 में की थी। इस बारे में पूछे जाने पर मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने आधिकारिक रूप से इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन एक शीर्ष अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से इस बात पुष्टि की कि गृह मंत्रालय ने सात जनवरी से एफसीआरए लाइसेंस बहाल कर दिया है और ऐसा होने से हम खुश हैं।

अदालत के कर्मचारियों का रिश्वत मांगना अस्वीकार्य : उच्चतम न्यायालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि अदालतों में काम करते हुए रिश्वत के रूप में पैसे की मांग करना अस्वीकार्य है। न्यायालय ने कहा कि न केवल न्यायाधीशों पर बल्कि वहां कार्यरत लोगों पर भी बहुत उच्च मानक लागू होते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने एक ऐसे व्यक्ति को दी गई सजा को संशोधित करते हुए यह टिप्पणी की जो बिहार में एक जिला अदालत में तैनात था और एक मामले में आरोपी को बरी करने के लिए 50,000 रुपए की मांग करने के आरोप में उसे सेवा से बर्खास्त कर

दिया गया था। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ को अपीलकर्ता की ओर से पेश वकील ने बताया कि पिछले 24 वर्षों से उस व्यक्ति ने बेदाग सेवा की और उसके खिलाफ यह पहला आरोप था। पीठ ने कहा, आप (अपीलकर्ता) अदालत में काम कर रहे थे और पैसे की मांग कर रहे थे...। उसने कहा कि अपीलकर्ता ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। उच्चतम न्यायालय पटना उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के जनवरी 2020 के उस आदेश के खिलाफ उस व्यक्ति द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही था, जिसमें एकल न्यायाधीश पीठ के फैसले के खिलाफ उसकी याचिका को खारिज कर दिया गया था।

एकल न्यायाधीश ने जनवरी 2018 में उस व्यक्ति को दी गई सजा में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था, जो पहले औरंगाबाद में एक अदालत के एक पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में तैनात था। उच्चतम न्यायालय के समक्ष दलीलों के दौरान, अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि उस व्यक्ति को 2014 में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था और उसे दी गई सजा बेहद सख्त थी। पीठ ने कहा, सख्त क्यों कहते हैं? यह जांच के बाद दी गई है ना? वकील ने कहा कि अपीलकर्ता को जांच अधिकारी ने पहली जांच में बरी कर दिया था। उन्होंने कहा कि बाद में, एक नई विभागीय कार्वाई शुरू करने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा, अपीलकर्ता ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। यही निष्कर्ष है। उसने कहा, यदि आप अपना अपराध स्वीकार करते हैं, तो और क्या किया जा सकता है, हमें बताएं।

सम्पादकीय

स्वयंसेवी संस्थाओं पर चोट के मायने

नये साल की शुरुआत 5,933 स्वयंसेवी संगठनों के काल-कवलित हो जाने की खबर के साथ हुई। फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) के तहत ये एनजीओ पंजीकृत थे, जिसका नवीनीकरण करने से केंद्र सरकार ने मना कर दिया है। इसके दो कारण बताए गये हैं। एक कारण है कि कई एनजीओ एक्ट के तहत आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने में असफल रहे। दूसरा कारण जो विपक्ष बता रहा है वह यह है कि उन एनजीओ पर निशाने साधे गये हैं जो सरकार के आलोचक रहे हैं। ऑक्सफैम इंडिया ट्रस्ट, इंडियन यूथ सेंटर्स ट्रस्ट, जामिया मिलिया इस्लामिया, ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफइंडिया जैसे एनजीओ प्रमुख हैं जिनके रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण नहीं हो सका है। अब देश में कुल 16,829 एनजीओ रह गये हैं। लगभग 6 हजार एनजीओ के एफसीआरए अनुमति रद्द कर दी गई है। कई एनजीओ ने बयान जारी करके बताया है कि रजिस्ट्रेशन रद्द करने के लिए आवेदन करने के बावजूद उनकी एफसीआरए अनुमति रद्द कर दी गई है। वे प्रक्रियाओं और अर्हताओं को पूरा करने का भी दावा कर रहे हैं। ऐसे एनजीओ पर नजर डालें तो इनके क्रियाकलाप सरकार की आंखों में खटकते रहे हैं। इसकी मूल वजह यह है कि एनजीओ सिर्फगरीबों में धन बांटने या कतिपय सेवा देने तक सीमित नहीं होते। वे कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, लोगों को जागरूक करते हैं और उन्हें शिक्षित करने का भी काम करते हैं। सरकार में इस बात को सरकार विरोधी माहौल बनाए जाने के तौर पर देखा जाता है, हालांकि स्वयंसेवी संस्थाओं के इस काम से सरकार को सरकारी तंत्र की स्वेच्छारिता पर अंकुश लगाने का मौका मिलता है। सवाल यह है कि क्या सरकार जानबूझकर ऐसे एनजीओ पर एक्शन ले रही हैं जो उनके लिए खतरा बन रहे थे। अगर ऐसा है तो निश्चित रूप से इसका मतलब निकलता है कि सरकार एनजीओ के कामों और स्थापित किए जा रहे मापदण्डों से विचलित हो गई है। मौजूदा सरकार हमेशा ही एनजीओ के कामों के बारे में सशंकित रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016 ने भुवनेश्वर की एक सभा में खुलकर कह चुके हैं कि देश के एनजीओ उनकी सरकार को गिराने की कोशिश में जुटी हैं। सरकार समर्थक अक्सर यह तर्क देते हैं कि ज्यादातर एनजीओ का संचालन वे लोग करते हैं जो बुद्धिजीवी हैं,जो मौजूदा सरकार को नापसंद करते हैं। यह लोग सरकारी तंत्र सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं में अविश्वास को खत्म करने के प्रयासों की पैरवी करने की बजाय एनजीओ पर नकेल कसने के पैरोकार रहे हैं। मोदी सरकार में 25 हजार से ज्यादा एनजीओ के लाइसेंस रद्द किए जाने इस इस बात का संदेश स्वयंसेवी संस्थाओं और जनता में जा रहा है कि सरकार एनजीओ के कामों से सशंकित है और शायद सरकार उनके काम से डरती है। लेकिन सरकर को इस संशय और डर को मिटाने के लिए क्या करना चाहिए? सरकार के पास एफसीआरए कानून के तहत इस बात के अधिकार हैं कि जो एनजीओ गलत करते हुए पाया जाए, उस पर कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन, लगातार एनजीओ पर एक्शन लेती सरकार से यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिरकार कितने एनजीओ को देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने के आधार को सरकार साबित कर पाई है?

क्या देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का तमगा लगा कर किसी भी एनजीओ की अनुमति को रद्द कर देना लोकतन्त्र में जायज नहीं ठहराया जा सकता। यदि कुछेक एनजीओ देश विरोधी कामों में संलिप्त हैं, तो सरकार को उनके खिलाफ बाकायदा मुकदमे दर्ज करने चाहिए एवं उनकी देश-विरोधी गतिविधियों के प्रमाणों को जनता के बीच रखा जाना चाहिए। 2014 से 2018 के बीच एनजीओ को विदेशी फंडिंग में 40 फीसदी कमी आई। मगर, इससे देश को वास्तव में क्या फायदा हुआ? विदेशी फंडिंग रोकना उपलब्धि है या विदेशी फंडिंग का दुरुपयोग रोकना उपलब्धि कहलाएगी? गरीबी, अशिक्षा, महामारी जैसे अभिशाप से लड़ने में अक्सर गरीब देश विफल रहते हैं। अंतरराष्ट्रीय मदद से इसे खत्म करने की पहल शाश्वत और दुनिया भर में वैध प्रक्रिया मानी जाती है। खुद भारत ने कमजोर देशों के एनजीओ को सहायता देने के लिए एक प्रणाली स्थापित है। भारत संयुक्त राष्ट्रसंघ के साथ मिलकर इस मिशन पर काम करता रहा है। ऐसे में विदेशी फंडिंग स्वीकार करना या किसी संगठन के विदेशी फंड को बिना किसी सबूत, दस्तावेज या वैध प्रक्रिया के रोकने को जायज कैसे ठहराया जा सकता है? अगर विदेशी फंडिंग स्वीकार करना गलत है तो यही बात राजनीतिक दलों पर भी लागू होनी चाहिए। लेकिन,राजनीतिक दलों के लिए यह स्वीकार्य क्यों बनी हुई है। अदालत के आदेश के बावजूद राजनीतिक दलों की न सिर्फ विदेशी फंडिंग के मामलों की जांच नहीं हुई, बल्कि विदेशी स्रोत की परिभाषा बदलकर सरकार ने राजनीतिक दलों के लिए विदेशी फंडिंग स्वीकार करने का रास्ता आसान बना दिया।

व्यापारियों द्वारा अपील

1 क्या केवल odd even और week-end लॉकडाउन जैसे निर्णय से ही कोरोना को दूर किया जा सकता है ? CM साहब दिल्ली की मार्केट के दुकानदार जिनमें सभी एजुकेटेड हैं अपने अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान पर सावधानी पूर्वक कार्य करते हैं। आज ऑड ईवन में हर दुकान की हफ्ते में तीन छुट्टी और वीकेंड लोक डाउन के बाद के बाद बिजनेस विंडो सिर्फ महीने में 10 दिन की रह गई है गलती होने पर सरकारी एजेंसी और SDM दुकानदार के मोटे मोटे चलान काटते हैं और दुकान भी सील कर देते हैं। उन्हीं दुकानों के बाहर रेहड़ी पटरी और उस पर लगी भीड़ को देखकर वह आंखें बंद कर लेते हैं क्योंकि इसके लिए उन्हें कोई गाइडलाइन ही नहीं दी गई क्या उनसे कोरोना नहीं फैलता ?

2. मार्केट की बिजनेस अवधि कम करने के बाद जिस किसी को 8:00 भी जरूरी सामान खरीदने आना हो वह भी 6:00 बजे आता है क्या ऐसा करने से भीड़ भाड़ कम होगी या बढ़ेगी ? 2 दिन के अवकाश के बाद जब सारे बाजार खुलेंगे तो 2 दिन से इंतजार कर रहे ग्राहक जिन्हें सामान लेना होगा क्या वह एकदम से बाजार में नहीं आएंगे? क्या इससे बाजार में भी भीड़ भाड़ नहीं बढ़ेगी ?

3 व्यापारी आपसे कभी कुछ नहीं मांगता अपना टेक्स भरता है अपने स्टाफ का ध्यान रखता है मकान मालिक को किराया भी भरता है लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि पिछले 2 लॉकडाउन का बिजली का फिक्स चार्ज तक आप की सरकार ने उस पर जबरदस्ती थोप दिया जिसे आप चाहते तो माफ कर सकते थे। आपकी सरकारी बसें 100 परसेंट के साथ चलने की अनुमति है मेट्रो को 100 परसेंट के साथ चलने की अनुमति आपने दे दी है तो सिर्फ दुकानदार के साथ सौतेला व्यवहार क्यों?अ ाखिर आप चीफ मिनिस्टर तो हमारे भी हैं

4 मार्केट में भीड़ होने पर एक्शन है लेकिन हर रोज नेताओं की रैलियों में होने वाली भीड़ पर कहीं कोई रोक कहीं कोई एक्शन नहीं है क्योंकि सरकार ऐसी गाइडलाइन जारी ही नहीं करती हैं द्य क्या हर बात की जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ दुकानदार की है?

5 शादियों में 20 लोगों की परमिशन देने वालों ने यह सोचना भी उचित नहीं समझा कि 200 sq ft के हॉल में भी 20 लोग और ?6000 sq ft के हॉल में भी 20 लोग केवल एक तुगलकी फरमान जारी कर दिया कि सब आंख बंद करके इसका पालन करें।

मेरा आपसे अनुरोध है हर बात की गाज सिर्फ और सिर्फ व्यापारी पर ही ना गेरी जाए और कुछ समझदारी का परिचय दिया जाए द्य समस्त व्यापारी वर्ग वायरस के खिलाफ इस लड़ाई में आपके साथ है

6.होटेल,फ़ार्म्हाउस,बैंक्वेट,रेस्टोरेंट ओर अन्ये ववएसायिक स्थल के बिजली के बिल्लों के फ़िक्स चार्जेज़ कम करने और घटाने पर पूरा ध्यान दिया जाए।?

7. सभी सरकारें व्यापारी से और अधिकारी से ही चलती है विशेष ध्यान दें।

हादसों से सबक लेना जरूरी

कृष्ण प्रताप सिंह

नये साल ने पहले ही दिन अनेक हादसों का दर्द दे दिया है. फिर वही पुराने कर्मकांड हो रहे हैं, जो हर हादसे के बाद दोहराये जाते हैं, मसलन- शोक जताने, जांच कराने, मुआवजे के एलान करने और आरोप-प्रत्यारोप जैसे कर्मकांड. उन तथ्यों को भी झुठलाया जा रहा है, जो दोषियों की ओर संकेत कर सकती हैं. आखिर कौन कह सकता है कि जब तक हम ऐसे हादसों से सबक लेकर उनके कारणों को दूर नहीं करेंगे, इनकी पुनरावृत्ति रोक लेंगे ?सबसे बड़ा हादसा दरअसल यही है कि सबक लेने के इस काम को गैरजरूरी मान लिया गया है. जम्मू के वैष्णो देवी मंदिर में हुई भगदड़ के सिलसिले में, जिसमें दर्जन भर लोगों की जान चली गयी और कई अन्य जिंदगी और मौत के बीच झूल में रहे हैं, इसे समझना चाहें, तो तीर्थस्थलों पर भीड़ प्रबंधन की नाकामी के कारण हुई पिछली भगदड़ों के ब्यौरे चीख-चीखकर कह रहे हैं कि उनमें से किसी के दिये सबक भी अमल में लाये गये होते, तो ऐसी भगदड़ों में जन हानि की पुनरावृत्ति नहीं होती. मंदिरों और अन्य सार्वजनिक जगहों में ऐसे हादसों की एक बड़ी सूची हमारे सामने है. फिर भी, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक भगदड़ का कारण बताते हुए यह तो कहते हैं कि मंदिर के गेट नंबर तीन पर कुछ युवकों में तीखी बहस के बाद धक्का-मुक्की हुई, तो लोग डर कर भागने लगे. इस कारण भगदड़ हुई और जानें गयीं. राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार द्विवेदी बताते हैं कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भगदड़ की जांच के लिए प्रधान सचिव (गृह) की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है, जिसके अन्य दो सदस्य जम्मू संभागीय आयुक्त राघव लंगर और जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह हैं. इस समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है.लेकिन, इनमें से कोई भगदड़ पीड़ितों के इन आरोपों पर कुछ बोलने को तैयार नहीं है कि वास्तव में मंदिर बोर्ड के कर्मियों द्वारा उगाही के चक्कर में पैसे देनेवालों को पहले दर्शन करवाने के चलते अव्यवस्था पैदा हुई, जो बाद में भगदड़ में बदल गयी. आरोप लगाने वाले अपने कथन की सच्चाई को लेकर इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने सड़क पर उतरकर पुलिस की लाठियां झेलना भी गवारा कर लिया. उनकी छोड़ दें, तो यह भी नहीं बताया जा रहा है कि मंदिर के गेटों पर दर्शन करवाने में भ्रष्टाचार रोकना राज्य पुलिस का नहीं, तो और किसका जिम्मा था? वहां कोरोना प्रोटोकॉल के बावजूद इतनी भीड़ क्यों जमा होने दी गयी और उद्गमस्थलों पर ही उसके नियंत्रण व प्रबंधन के उपाय क्यों नहीं किये गये? राज्य की विभिन्न विपक्षी पार्टियों ने भी जम्मू-कश्मीर प्रशासन को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है. उनका कहना है कि प्रशासन की विफलता के कारण हुई यह दुर्घटना, दुर्घटना न होकर मानवनिर्मित त्रासदी है, क्योंकि कामकाज देखने से जुड़े लोग ही इस हादसे के लिए जिम्मेदार हैं. यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि कुछ समय से वैष्णो देवी मंदिर में अति विशिष्ट (वीआइपी) संस्कृति अधिक ही बढ़ती जा रही है. विशिष्ट लोगों को उनकी बारी से पहले ही दर्शन की छूट दी जा रही है और उनकी पूजा को प्राथमिकता मिल रही है. इसके कारण सामान्य श्रद्धालुओं को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और वे स्थिति से रुष्ट व क्षुब्ध होकर ऐसे हादसों की स्थिति पैदा कर देते हैं.लेकिन उठाये जा रहे ये सारे सवाल अभी तक अनुत्तरित हैं, तो यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि राज्यपाल द्वारा गठित समिति एक सप्ताह के भीतर विस्तार से जांच कर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दे और जैसा कि दावा किया जा रहा है, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए माकूल मानक संचालन प्रक्रियाओं व उपायों का सुझाव दे दे, तब भी ऐसी कार्य संस्कृति और व्यवस्था के रहते हुए कौन कह सकता है कि समिति के सुझाव ऐसे किसी अगले हादसे तक सरकारी फाइलों में ही कैद नहीं रह जायेंगे? जांच रिपोर्टों को लेकर यह सवाल हरियाणा के भिवानी जिले के तोशम ब्लॉक के दादम खनन क्षेत्र में भूस्खलन से हुए हादसे के सिलसिले में भी जवाब की मांग करता है, जिसमें चार लोगों की मौत हुई है और करीब आधा दर्जन डंपर, ट्रक तथा कुछ मशीनें मलबे में दब गयी हैं. वहां भी हादसा इसीलिए हुआ है कि 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी' की सीख को भुलाकर भूस्खलन के राज्य और उसके बाहर हुए पिछले हादसों के सबकों की अनसुनी कर दी गयी. तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में पटाखे बनाने की एक फैक्ट्री में आग लगने से हुए हादसे में भी इसीलिए मौतें हुईं कि पटाखे बनाने के वक्त पालन के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों की अवहेलना की गयी, मानो अतीत में पटाखा फैक्टरियों में होते आये हादसों में जन-धन की हानि कोई बड़ी बात न हो. साफहै कि हादसों से शुरू हुए नये साल में आगे उनकी पुनरावृत्ति रोकना सुनिश्चित करना है तो इधर-उधर की बात न कर हमें इस सवाल का सीधा सामना करना होगा कि हम और हमारा निजाम सबक न लेने की अपनी बीमारी से निजात पाने को तैयार हैं या नहीं? अगर सबक नहीं लिये गये, तो ऐसे हादसे हमारी नियति बने रहेंगे।

महामारी की नयी लहर में अमेरिका

जे सुशील

अमेरिका कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमिक्रोन जनित नयी लहर की चपेट में है. इसी कारण नये साल की शुरुआत उदासी भरी रही. बड़े समारोह या तो रद्द कर दिये गये या लोग खुद ही बाहर निकलने से कतराते रहे. आम तौर पर नये साल की पूर्व संध्या पर पटाखों की आवाज से जहां शहर गुंजायमान रहते थे, वहीं इस साल बड़े शहरों में सिर्फ रात के बारह बजे ही हल्का शोर सुनायी पड़ा. ओमिक्रोन के तेजी से फैलने की आशंकाओं के सही साबित होने के साथ ही देश के कई इलाके अब नये मरीजों से जूझ रहे हैं. पूरे अमेरिका में औसतन हर दिन तीन लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन अस्पतालों में भर्ती होनेवालों की संख्या कम है. मार्च, 2020 की तुलना में प्रभावितों की संख्या अधिक है, पर अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत कम लोगों को पड़ी है. कई मामले ऐसे हैं, जहां वैक्सीन की दोनों खुराकें लेने के बाद भी कोरोना हो रहा है. हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि जिन्हें वैक्सीन लग चुकी है, उनमें गंभीर समस्याएं नहीं आ रही हैं. वाशिंगटन और न्यूयॉर्क पहले की तरह ही सबसे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. वाशिंगटन में जहां नये प्रभावितों में आठ सौ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहीं न्यूयॉर्क में छह सौ प्रतिशत की तेजी आयी है. ओहायो राज्य में हालात बहुत खराब हैं, जहां बड़ी संख्या में मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत महसूस हुई है कि डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की मदद के लिए नेशनल गार्ड्स को बुलाना पड़ा है. अमेरिका में अब तक 73 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन की एक खुराक मिल चुकी है, जबकि 62 प्रतिशत लोग दोनों खुराक ले चुके हैं. ऐसे में कोरोना का फिर फैलना गहरी चिंता का विषय बना हुआ है. कई संस्थानों ने अपील की है कि कर्मचारी दोनों खुराकों के साथ बूस्टर डोज भी लेकर आयें. सरकारी कार्यालयों में पहले से ही नियम है कि बिना वैक्सीन के किसी को भी काम नहीं करने दिया जायेगा. कई निजी संस्थानों ने भी यह नियम लागू किया है, लेकिन अब लोग सवाल उठा रहे हैं कि वैक्सीन के बाद भी अगर बीमारी हो रही है, तो इसे लेने का क्या फायदा है. इसके जवाब में सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेन्शन (सीडीसी) द्वारा जारी आंकड़े दिखाते हैं कि प्रति एक लाख लोगों में अगर पचास मामले हैं, तो बिना वैक्सीन वाले लोगों में ऐसा होने की संभावना वैक्सीन ले चुके लोगों से पांच गुना अधिक है. इसी तरह जिसने वैक्सीन ली है, अगर उसे कोरोना होता है और जिसने वैक्सीन नहीं ली है, उसे कोरोना होता है, तो बिना वैक्सीन वाले व्यक्ति के मरने की संभावना 13 प्रतिशत अधिक है. चूंकि, अब प्रभावितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, तो कई उपायों की घोषणा की गयी है. ज्यादातर विश्वविद्यालयों ने अपनी कक्षाएं दो हफ्तों के लिए ऑनलाइन कर दी हैं और छात्रों से कहा है कि वे कोरोना टेस्ट करा कर भेजें. वाशिंगटन में सरकारी अधिकारियों से कहा गया है कि वे घर पर रहकर ही काम करें और वही लोग दफ्तर आयें, जिनका आना बेहद जरूरी हो. न्यूयॉर्क में कई होटलों ने अपने बड़े हिस्से को क्वारंटीन स्थल में बदल दिया है, ताकि 2021 जैसी अफरातफरी का माहौल न बने. हालांकि अभी तक किसी भी शहर ने रेस्टोरेंट को बंद करने या भोजन सिर्फडिलिवरी करने जैसी शर्तें नहीं लगायी हैं, लेकिन अगर अगले दो-तीन हफ्तों में प्रभावितों की संख्या कम नहीं होती हैं, तो संभवतरू ये नियम लागू हो सकते हैं. व्हॉइट हाउस ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस को भी कम करने की घोषणा की है. डॉक्टरों के अनुसार इस लहर में सबसे अधिक कठिनाई डेल्टा और ओमिक्रोन स्ट्रेन की पहचान को लेकर हो रही है, जिसके कारण इलाज कैसे किया जाये, यह सवाल बड़ा हो गया है. डेल्टा और ओमिक्रोन के इलाज की अलग-अलग विधि है और यह जीवन-मृत्यु का सवाल बन जाता है. समस्या यह है कि फिलहाल कोई ऐसा टेस्ट नहीं है, जिससे इन दोनों वैरिएंट की अलग-अलग पहचान हो सके. अधिकारियों का कहना है कि एक टेस्ट के जरिये ओमिक्रोन की पहचान हो तो जाती है, लेकिन अगर मरीजों की संख्या अधिक हो, तो यह तरीका भी असफल हो जाता है, क्योंकि अस्पताल एक समय में एक निश्चित संख्या में ही ऐसे टेस्ट कर पाने में सक्षम होते हैं. अमेरिका में इस समय सबसे बड़ी दिक्कत यही हो रही है कि कुछ महीनों पहले आया डेल्टा स्ट्रेन अभी भी सक्रिय है और उसी बीच नया स्ट्रेन आ गया है. देश के अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग स्ट्रेन से कोरोना फैल रहा है. पिछले एक हफ्ते में अमेरिका में कोरोना का सबसे अधिक प्रभाव विमान यातायात पर पड़ा है. इस अवधि में तीन हजार से अधिक विमान सेवाएं रद्द हुई हैं और अब यात्रा से पहले कोविड के निगेटिव टेस्ट की मांग की जाने लगी है. इससे पहले वैक्सीन का पर्चा दिखाकर यात्रा करना संभव था. दूसरी तरफ साल की छुट्टियां खत्म होने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल बच्चों के स्कूलों को लेकर उठ रहा है. अलग-अलग राज्यों ने इस बारे में अलग-अलग बातें कही हैं. जहां शिकागो शहर में शिक्षकों ने कहा है कि वे स्कूल नहीं जायेंगे, वहीं स्कूल प्रशासन का कहना है कि स्कूल बंद करने के बारे में अभी कोई फैसला नहीं किया गया है. छोटे बच्चों के स्कूल इसी हफ्ते खुलनेवाले हैं. नेवार्क, मिलवाकी और क्लीवलैंड जैसे शहरों ने फैसला किया है कि फिलहाल बच्चों के स्कूलों को ऑनलाइन ही रखा जाये. इन शहरों में साढ़े चार लाख से अधिक बच्चे स्कूल जा रहे हैं. न्यूयॉर्क शहर में जहां तीन जनवरी को स्कूल खुले थे, वहां एक तिहाई से अधिक बच्चे स्कूल नहीं आये थे. फिलहाल अमेरिका कोरोना की नयी लहर से स्तब्ध है क्योंकि पिछले दो महीनों में जनजीवन पटरी पर लौटने लगा था. हर शहर में कुछ बड़े आयोजन होने लगे थे और लोग भी बाहर निकलने लगे थे. हालांकि, किसी भी इमारत में जाने पर मास्क लगाना अनिवार्य था, लेकिन बाहर घूमते हुए मास्क लगाने की बाध्यता खत्म हो गयी थी. अब एक बार फिर सर्दी से जूझ रहे पूरे देश में सड़कों पर लोग कम दिख रहे हैं. जो सड़कों पर हैं, उनमें से अधिकतर मास्क पहने हुए दिखते हैं. आनेवाले दिनों में जब स्कूल खुलेंगे, तो देखना होगा कि क्या होता है क्योंकि बारह साल से अधिक की उम्र के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को वैक्सीन लग चुकी है।

भाजपा में आंतरिक सत्ता-संघर्ष को उजागर कर दिया है सत्यपाल मलिक ने

डॉ. दीपक पाचपोर

लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि जब आपको लगता है कि सारी आवाजें मौन हो गई हैं तो कोई न कोई जरूर उठ खड़ा होता है। ऐसे वक्त में जब मोदी-शाह की जोड़ी देश की सारी सत्ता-विरोधी आवाजों को दबाने में लगी है, शुक्र है कि कभी शाहीन बाग तो कभी किसान आंदोलन जन्म लेता है और उनकी मनमानी करने की राह को रोकता है। जब प्रतिपक्ष लगभग नगण्य हो चुका हो और मीडिया अपना साहस खो चुका हो, तब मलिक द्वारा कुछ कहने की हिम्मत सम्भवतरू अन्य को बोलने की प्रेरणा अवश्य देगी। किंबहुना, अनेक लोग कुछ समय के बाद बोलने लगेंगे। कुछ लोगों ने इसकी अक्ल मार रखी है। बाद में इसको समझ में आयेगी- आश्चर्य कि किसी देश का गृहमंत्री अपने प्रधानमंत्री के लिए उपरोक्तआशय की बात कहेय उससे बड़ा आश्चर्य तो यह है कि जिस व्यक्ति से कहा गया वह इसे सार्वजनिक कर देय और भी घोर आश्चर्य यह है कि गृह मंत्री इस बात का खंडन नहीं करता (यानी कि बात सही है)य महानतम आश्चर्य तो यह है कि न राज्यपाल से कोई पूछताछ होती है और न ही गृह मंत्री से जवाब तलब किया जाया है। और संसार का आठवां आश्चर्य यह है कि देश की मुख्यधारा का मीडिया इस पर चुप्पी साध जाये। जो भी हो, देश के सार्वजनिक जीवन में आश्चर्यों की झालर सजाने वाली भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार का यह तरोताजा किस्सा है जिसके कई-कई आयाम हैं। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक का एक वीडियो जारी हुआ है जिसमें वे बतला रहे हैं कि किसानों की मौत का मुद्दा लेकर वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने गये थे। उन्होंने (मलिक) जब कहा कि श्आप तो कार के पहिये के नीचे कुत्ते के पिल्ले के कुचलकर मरने से भी दुखी हो जाते हैं, तो 500 किसानों के मरने पर क्यों व्यथित न हुएश, तो बकौल मलिक तब पीएम काफी घमंड से भरे हुए थे और उन्होंने कहा- श्क्या किसान उनके (मोदी) लिए मरे हैं?श् इस किस्से के अनुसार प्रधानमंत्री ने मलिक को गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिये कहा। मलिक का ही कहना है कि तब शाह ने उपरोक्त उल्लिखित उद्गार (दिमाग खराब होने वाला) प्रमं के बारे में प्रकट किया। 24 घंटे के बाद हमेशा की तरह कि इसका आशय यह था और बयान को सही तरीके से पेश नहीं किया गया हैश, आदि जैसी सफाई और लीपा-पोती के बावजूद उनके कहे में शक की कोई गुंजाईश ही नहीं है। झूठ होता तो शाह का खंडन आ चुका होता। या तो वे खुद अथवा मलिक अब तक अपने पद से हटाये जा चुके होते। मलिक अपने पद के शिष्टाचार की चिंता किये बगैर और ऐसा महत्वपूर्ण पद गंवाए जाने का खतरा मोल लेकर भी किसान आंदोलन के पक्ष में प्रारम्भ से ही खड़े हैं। यह सच है कि मलिक ने शाह के मोदी संबंधी विचारों को पब्लिक डोमेन में डालकर साहसिक काम तो किया है लेकिन सच तो यह भी है कि ऐसा कभी न कभी होना ही था। दरअसल लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि जब आपको लगता है कि सारी आवाजें मौन हो गई हैं तो कोई न कोई जरूर उठ खड़ा होता है। ऐसे वक्त में जब मोदी-शाह की जोड़ी देश की सारी सत्ता-विरोधी आवाजों को दबाने में लगी है, शुक्र है कि कभी शाहीन बाग तो कभी किसान आंदोलन जन्म लेता है और उनकी मनमानी करने की राह को रोकता है। जब प्रतिपक्ष लगभग नगण्य हो चुका हो और मीडिया अपना साहस खो चुका हो, तब मलिक द्वारा कुछ कहने की हिम्मत सम्भवतरू अन्य को बोलने की प्रेरणा अवश्य देगी। किंबहुना, अनेक लोग कुछ समय के बाद बोलने लगेंगे। हालांकि मलिक का यह बयान दूसरे बड़े सियासी संकेत देता है। उन्होंने जो बात सामने रखी है वह भाजपा के भीतर शक्ति केन्द्र के बिखरने का इशारा भी है। मोदी और शाह के बीच सब कुछ ठीक-ठाक न होने का साफसंकेत देने वाले इस बयान से यह भी पता चलता है कि आने वाले समय में दोनों के बीच खाई और भी चौड़ी हो सकती है। ऐसा सोचने के पर्याप्त कारण हैं- पहली बात तो यह है कि कृषि कानूनों को लेकर केन्द्र सरकार की पराजय। किसानों ने अपने आंदोलन के जरिये जिस प्रकार से मोदी को ये कानून वापस लेने को मजबूर किया उससे मोदी न केवल कमजोर पीएम साबित हुए हैं बल्कि देश में यह संदेश भी गया है कि श्झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहियेश। यह बात लोकतांत्रिक मानसिकता वाले लोगों को तो भा सकती है पर शाह जैसे व्यक्ति को कभी पसंद नहीं आएगी क्योंकि वे भी वैसी ही निरंकुशता में विश्वास करते हैं, जैसे मोदी और योगी। कदाचित शाह ने अपनी भड़ास निकाली है। शाह की पसंद तो विरोधियों को बुलडोज करने या ठोंको-पीटो वाली नीति को क्रियान्वित करने वाले शासकों में है। जाहिर है कि कृषि कानूनों को वापस लेकर मोदी ने उन्हें निराश किया ही होगा। यह बयान इस बात की ओर भी इशारा करता है कि उप्र सहित पांच राज्यों के होने वाले चुनावों के नतीजे मोदी-शाह-योगी के बीच नये तरह के संबंध स्थापित करेंगे। उनके बीच के समीकरण बदलेंगे। मोदी और योगी के बीच ये बदलने शुरू हो भी गये हैं। भविष्य में शक्ति के तीन केन्द्र बन सकते हैंय एडवांटेज- शाह। दूसरा कारण है, उत्तर प्रदेश के चुनाव में लगातार घिरती भाजपा और वहां योगी के रूप में एक स्वतंत्र शक्ति केन्द्र का बनना। शाह और योगी जानते हैं कि उप्र में अगर भाजपा पराजित होती है तो उससे मोदी का बुरा काल शुरू हो सकता है। इसलिये जरूरी है कि अभी से उनसे दूरी बनाकर अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया जाये। वैसे भी उत्तर प्रदेश का चुनाव भाजपा के साथ-साथ मोदी और योगी दोनों के गले की फांस बना हुआ है। यहां पार्टी की पराजय होने पर योगी के साथ मोदी को भी नुकसान होगा, पर जीतने पर मोदी के सामने प्रमं पद का एक और प्रतिस्पर्धी (योगी) उठ खड़ा होगा। अभी से कहना मुश्किल है कि वहां क्या होगा, पर स्थिति सभी के लिये पेचीदा अवश्य है। बहरहाल, आगे चलकर खुद शाह भी पीएम पद के दावेदार बनकर उभरें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिये। आखिर हर किसी में सर्वोच्च पद पर पहुंचने की महत्वाकांक्षा होती है, तो शाह अगर इस पद की इच्छा रखें और उसे पाने के लिये कोशिशें करें तो यह कोई बेजा बात नहीं होगी। आखिरकार वे कब तक मोदी का ही राज्याभिषेक करके रहेंगे। उनकी महत्वाकांक्षा स्वाभाविक है।

वैसे भी 2024 के लोकसभा चुनावों तक मोदी 75 साल की आयु के करीब पहुंच जायेंगे और भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को नये चेहरे की तलाश तो करनी ही होगी। उधर मोदी भी अपना पद बचाए रखने की निश्चित ही कोशिश करेंगे। फिर, मोदी, शाह और योगी की सोच व कार्यप्रणाली एक जैसी है। स्वाभाविक है कि दो-तीन निरंकुश एक साथ नहीं चल सकते। उनमें द्वंद्व होना नैसर्गिक है। जैसे शक्ति अपने खिलाफप्राकृतिक तरीके से नई शक्तियां खड़ी करती है, वैसे ही एक व्यक्ति के शासन संभालते ही उसकी विरोधी ताकतें भी खड़ी होने लगती हैं जो माकूल मौके का इंतजार करती हैं। शासक के कमजोर होते ही वे खुद को विकल्प के रूप में प्रस्तुत करती हैं और अवसर पाते ही सत्ता के सूत्र अपने हाथों में ले लेती है। कोई आश्चर्य नहीं कि 2022 में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के बाद (नतीजे कुछ भी हों) नये समीकरण देखने को मिलें। जो भी हो, यह तो तय है कि शाह का मलिक को दिया बयान यह बतलाता है कि भाजपा के अंदरखाने काफी कुछ पक रहा है। इस रहस्योद्घाटन के बाद भी शाह व मलिक का अपने-अपने पद पर बने रहना दर्शाता है कि मोदी की ताकत घट रही है। मलिक ने जो कहा, उससे लगता है कि देश का राजनैतिक परिदृश्य काफी कुछ बदलने जा रहा है।

ओमिक्रोन का भी बढ़ रहा खतरा

ओमिक्रोन के संक्रमण से ग्रस्त व्यक्तियों की संख्या एक हजार के करीब पहुंचने के साथ ही जिस तरह एक दिन में कोरोना वायरस से ग्रस्त संक्रमित लोगों की संख्या दस हजार पार कर गई, उससे ऐसा लगता है कि तीसरी लहर आने ही वाली है। इसका अंदेशा इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि देश के कुछ हिस्सों में साप्ताहिक संक्रमण दर दस प्रतिशत से अधिक पहुंच गई है और ओमिक्रोन का संक्रमण भी तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए किस्म-किस्म के प्रतिबंधों का सिलसिला कायम होना स्वाभाविक है। कई राज्यों की ओर से संक्रमण से बचने के लिए रात के कर्फ्यू के साथ अन्य प्रतिबंध भी लगाए जा रहे हैं। यह समझ आता है कि संक्रमण बेलगाम होने की स्थिति में राज्यों को न चाहते हुए भी प्रतिबंधों का सहारा लेना पड़ेगा, लेकिन यह नहीं होना चाहिए कि जिस राज्य को जो समझ आए, वह वैसे ही फैसले करता नजर आए। जहां कुछ राज्यों ने सार्वजनिक कार्यक्रमों पर पाबंदी लगाने और स्कूल-कालेज बंद करने का काम किया है, वहीं बंगाल सरकार ने ब्रिटेन से कोलकाता आने वाली सभी उड़ानों को निलंबित करने का फैसला ले लिया। इस तरह के फैसले आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर विपरीत असर डालने वाले साबित होंगे। यह समझा जाना चाहिए कि जितनी जरूरत संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने की है, उतनी ही इसकी भी कि ऐसे कदमों से आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर न्यूनतम असर पड़े।र ाज्य सरकारों और उनके प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि लोग संक्रमण से बचे रहने के उपायों पर अमल करें। खुद लोगों को भी इसके लिए सचेत होना होगा। यह ठीक नहीं कि न तो मास्क का अपेक्षित इस्तेमाल हो रहा है और न ही सार्वजनिक स्थलों में शारीरिक दूरी के नियम का पालन हो रहा है। राज्यों को यह सब सुनिश्चित करने के साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि कोरोना की जांच तेज करने, टीकाकरण की गति एवं कवरेज बढ़ाने और साथ ही स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ करने की भी जरूरत है। एक ऐसे समय जब कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं, तब निर्वाचन आयोग की ओर से यह कहा जा रहा है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव समय पर होंगे।

उसके अनुसार सभी दलों ने समय पर चुनाव कराने को लेकर हामी भरी है। प्रश्न यह है कि यदि कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए रैलियां और चुनाव हो सकते हैं तो फिर इसी प्रोटोकाल के साथ आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों को क्यों नहीं जारी रखा जा सकता? बेहतर होगा केंद्र सरकार यह देखे कि राज्य सरकारें सतर्कता बरतने के नाम पर हड़बड़ी का परिचय न दें।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

समाजसेवी संजय निगम ने सड़क पर पड़ा लावारिस मोबाइल चौकी इंचार्ज को सौंपा

संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति से संबद्ध विवेक खंड 3 जन कल्याण समिति के सहायक सचिव संजय निगम ने पत्रकारपुरम में त्रिंका और आर्यन रेस्टोरेंट के बीच सड़क पर मोबाइल फोन बजते हुए देखा उन्होंने उठाकर चौकी इंचार्ज को सुपुर्द कर दिया, इसी बीच एक महिला का फोन आया जिसका मोबाइल था। चौकी इंचार्ज द्वारा चौकी पर बुलाकर 10 मिनट के अंदर मोबाइल हस्तगत कर दिया गया। चौकी इंचार्ज और दुकानदारों ने समाजसेवी संजय निगम को नेक कार्य के लिए धन्यवाद दिया। दुकानदारों ने कहा कि समाजसेवी संजय निगम ने खोया हुआ मोबाइल मात्र 10 मिनट में पत्रकारपुरम चौकी पर महिला को वापस किया।

पत्रकारपुरम में मानवता की मिसाल पेश की है । इस मौके पर विनय खंड बीट इंचार्ज धर्मेंद्र सिंह, सहायक बीट इंचार्ज विकास आनंद भी मौजूद रहे।

साहिबे कमाल साहिब श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) मनाया गया

संवाददाता

लखनऊ। आज दिनांक 09 जनवरी 2022 दिन रविवार को खालसा पंथ के संस्थापक, सरबंसदानी, मानवता के रहिबर, महान कवि साहिबे कमाल साहिब श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) श्री गुरू सिंह सभा ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिण्डोला,लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भव्य दरबार हाल को बहुत खूबसूरती से सजाया गया जिसमें फूलों से सुसज्जित भव्य संगमरमर की पालकी साहिब में श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी का प्रकाश किया गया श्री सुखमनी साहिब के पाठ से दीवान आरम्भ हुआ पश्चात श्री अखण्ड पाठ साहिब जी की समाप्ति के उपरान्त रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी द्वारा पवित्र आसा-दी-वार का अमृतमयी कीर्तन से कार्यक्रम आरम्भ हुआ। बहुत सुबह से ही श्रद्धालु गुरुद्वारा साहिब पहुॅचने लगे तथा पक्तियों में खड़े होकर श्री गुरू

ग्रन्थ साहिब जी के दर्शन के पश्चात अपना स्थान ग्रहण कर गुरूबाणी का रसपान किया। आकाशवाणी लखनऊ केन्द्र द्वारा आधे घन्टे का प्रसारण करके प्रदेश भर की संगतों को कार्यक्रम का रसास्वादन कराया गया। श्री गुरू सिंह सभा के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने इस अवसर पर उपस्थित संगतों को प्रकाश पर्व की बधाई दी तथा बधाई संदेश आकाशवाणी लखनऊ द्वारा भी प्रसारित किया गया। विशेष रूप से पधारे भाई बलविन्दर सिंह जी हजूरी रागी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर वालों ने अपनी मधुरवाणी में तहीं प्रकास हमारा भयो पटना सहिर बिखै भव लयो। शबद कीर्तन गायन कर समूह साध संगत को निहाल किया। ज्ञानी अमृतपाल सिंह जी अमृतसर वालों ने साहिब श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी के जीवन पर दिल को छू देने वाले विचार व्यक्त किये। रागी जत्था भाई जसकरन सिंह जी पटियाला वालों ने देह सिवा बर मोहि इहै सुभ करमन ते कबहूं न टरों। शबद कीर्तन गायन कर संगतों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने गुरमत विचारों द्वारा कथा व्याख्यान किया। गुरूमत संगीत एकेडमी के बच्चों एवं माता गुजरी सत्संग सभा, लखनऊ की सदस्याओं एवं सिमरन साधना परिवार ने भी इस कार्यक्रम में शबद कीर्तन गायन किया। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के प्रकाश उत्सव पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी मंत्री आशुतोष टंडन गोपाल जी महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया जी कैंट विधायक सुरेश तिवारी जी ने भी गुरुद्वारा साहब ने गुरु महाराज के आगे माथा टेक के आशीर्वाद लिया और योगी आदित्यनाथ जी ने गुरुद्वारा साहब के मंच से प्रदेशवासियों को गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश उत्सव की बधाइयां दी और धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख किया उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने सनातन धर्म और हिंदुस्तान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व कुर्बान किया अपने पिता गुरु तेग बहादुर जी महाराज और अपने चारों साहेबजादो का बलिदान इस राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए किया बाबा बंदा सिंह बहादुर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बंदा बैरागी परमात्मा की तपस्या में लगे थे गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने उनका आह्वान किया कि राष्ट्र की रक्षा के लिए आप आगे आए तब बाबा बंदा बैरागी गुरु महाराज की प्रेरणा से सिख सजे और बाबा बंदा सिंह बहादुर बने गुरु महाराज का आशीर्वाद और हुकमनामा लेकर उन्होंने पंजाब से मुगल साम्राज्य का खात्मा किया। गुरुद्वारा साहिब में दिन भर गुरबाणी कीर्तन तथा गुरमत विचारों का कार्यक्रम चला जिसका संचालन स0 सतपाल सिंह मीत ने किया। समागम में लंगर के वितरण की सेवा सिख यंग मेन्स एसोसियेशन एवं दशमेश सेवा सोसाइटी द्वारा की गयी। कई स्वंय सेवी संस्थाओं ने चाय-काफी, मक्के की रोटी, सरसों के साग, जल की सेवा एवं फ्रूट चाट के स्टाल लगाकर सेवा की। लंगर पकवाने एवं वितरण की व्यवस्था स0 हरविन्दरपाल सिंह नीटा, तजिन्दर सिंह, इन्दरजीत सिंह की देखरेख में हुई। दिन के 11.30 बजे से गुरू का लंगर संगत में वितरित किया गया, जिसमें की सैकड़ों की संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण किया। स0 हरमिन्दर सिंह टीटू की देखरेख में सम्पूर्ण कार्यक्रम का सम्पन्न हुआ। अरदास के उपरान्त उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर श्री गुरू सिंह सभा के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने सभी सिख संगठनोंध्जत्थेबन्दियों सिख सेवक जत्था पंजाबी यूथ एसोसियेशन एवं प्रशासन को गुरू जी की कृपा ''सिरोपा'' भेंट कर सम्मानित किया। गुरू महाराज का आर्शीवाद प्राप्त करने के लिये कई राजनीतिक दलों के नेता एवं सरकार के प्रतिनिधि तथा कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित हुए, उन्हें भी अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने सिरोपा देकर सम्मानित किया।

गीता गोष्ठी में धीर पुरुष पर हुई चर्चा

संवाददाता

गोण्डा । मालवीय नगर स्थित राम लीला मैदान नवनिर्मित शिव मंदिर में आयोजित रविवारीय गीता गोष्ठी में अध्याय 2 के श्लोक 9 से 20 तक का पाठ जनार्दन सिंह की उपस्थिति में हुई। अध्यात्म प्रेमी उत्तम शुक्ल ने मधुर स्वर में श्लोकों का गायन किया। गीता प्रेमियों ने श्लोक पर चर्चा करते हुए विचार व्यक्त किया। हे पुरुष श्रेष्ठ ! दुरूख-सुख को समान समझने वाले जिस धीर पुरुष को ये इन्द्रियाँ और विषयों के संयोग व्याकुल नहीं करते, वह मोक्ष के योग्य होता है। गोष्ठी में धीर पुरुष की परिभाषा एवं गुण पर विस्तार से चिंतन हुआ। जिस पर सभी उपस्थित विद्वानों ने अपना अपना मत एवं विचार रखे।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से के के श्रीवास्तव, सत्यदेव शुक्ला, पंकज दुबे, धीरेंद्र पांडेय, अनिल सिंह, कृष्णानंद त्रिपाठी, कुंदन सिंह, विवेक तिवारी, अमित सिंह, राम प्रह्लाद, पंडित सच्चिदानंद, ऋषभ सिंह, दीनानाथ त्रिवेदी, सुरेश, शैलेन्द्रकुमार श्रीवास्तव,अशोक जायसवाल, कुंदन सिंह एवं पंकज मिश्र उपस्थित रहे।

अंशिका यादव के हत्याकांड की सीबीआई से जांच कराई जाए तथा मृतक के परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए- डॉ इमरान

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर विगत सप्ताह थाना रेल बाजार के अंतर्गत रेलवे स्टेशन घंटाघर कैंट निवासी सुदर्शन यादव की 19 वर्षीय पुत्री अंशिका यादव के साथ सामूहिक बलात्कार तथा हत्या किए जाने की जांच एवं परिवार से मिलने के लिए समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष डॉक्टर इमरान के नेतृत्व में एक 5 सदस्य प्रतिनिधिमंडल ने मृतिका के घर जाकर जांच की तथा पीड़ित परिवार को इस दुख की घड़ी में साहस और हिम्मत बधाई तथा हमेशा साथ देने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में नगर अध्यक्ष डॉक्टर इमरान विधायक हाजी इरफान सोलंकी अमिताभ बाजपेई बंटी यादव अर्पित यादव निखिल, धीरज, सईद पहलवान, नफीस, मोहसिन, अंशु यादव, अब्दुल बारी, आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री ने लखनऊ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर द न्यू शॉप स्टोर का उद्घाटन किया

लखनऊ। द न्यू शॉप, भारत के सबसे प्रतिभाशाली 24-घंटे सुविधा स्टोर श्रृंखला ने लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में अपना 41वां स्टोर सफलतापूर्वक खोला है । यह ट्रांजिट रिटेल स्टोर, द न्यू शॉप ब्रांड का पहला एयरपोर्ट फ्लैगशिप स्टोर भी है, जिसका उद्घाटन 08 जनवरी, 2022, को भारत के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर ने किया। श्री किशोर ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और युवा स्टार्टअप के प्रति अपना समर्थन दिया और कहा, ष्हम भारत की उभरती और आने वाली पीढ़ी को प्रोत्साहित करते हैं, विशेष रूप से प्रधान मंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बनाए रखने के लिए। 'द न्यू शॉप' उत्पादों के किफायती मूल्य निर्धारण और अविश्वसनीय

सुविधा प्रदान करने वाला अत्याधुनिक स्टोर हैं - यह भारतीय उपभोक्ता के लिए एक नया अनुभव साबित होगा। भारतीयों के लिए ऐसी सुविधाएं लाने के लिए हमें भारतीय संस्थापकों की भावी पीढ़ी पर गर्व है। द न्यू शॉप जल्द ही अन्य हवाई अड्डों और मास ट्रांजिट स्थानों में भी स्टोर खोलेगा। उत्पादों के सबसे विविध मिश्रण के साथ, लखनऊ का यह ट्रांजिट स्टोर भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ताओं दोनों के लिए उपयुक्त है।

द न्यू शॉप पूरी तरह से स्वदेशी ब्रांड है, जो इसे मेक इन इंडियाश् अभियान के पोस्टर चाइल्ड के रूप में प्रस्तुत करता है, यह अपने जैसे अन्य घरेलू ब्रांडों की वकालत करने में गर्व महसूस करता है। boat, एपिगैमिया और WOW स्किन साइंस जैसे घरेलू और स्टाइलिश नाम, हर द न्यू शॉप स्टोर पर एक आम दृश्य हैं।

श्री सुरेश चंद्र होता आईएपी, मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी, अदानी लखनऊ इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, ने टिप्पणी की, उत्कृष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान करने के हमारे प्रयास में, हम कुछ अद्वितीय की तलाश में थे। द न्यू शॉप, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक प्रयास है, प्रतिस्पर्धी कीमतों पर अपनी आकर्षक पेशकशों के साथ आत्मनिर्भरता के लिए एक प्रेरणा है। मुझे विश्वास है कि यह न केवल ग्राहकों के अनुभव को बढ़ाएगा बल्कि श्मेक इन इंडियाश् आंदोलन का समर्थन करने के लिए हमारे ग्राहकों को प्रेरित करने में भी मदद करेगा।

चुनाव को लेकर प्रसपा के नगर कार्यालय में बैठक सम्पन्न

2022 में सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता एकजुट हो जाये– मुर्तुजा अली

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष श्री मुर्तुजा अली ने आज पार्टी कार्यालय में एक बैठक की और पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कहा कि 2022 के चुनाव के लिए कमर कस ले।इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ रही अराजकता और महंगाई के खिलाफ कार्यकर्ता एकजुट हो जाये। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन पर भी उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों को मजबूत करना है।साथ ही उत्तर प्रदेश में 2022 में सरकार भी बनाना है। उन्होंने कहा कि घर घर जाकर अखिलेश यादव एवं शिवपाल यादव की नीतियों को बयान करें

साथ ही साथ उन्होंने वोट डालने पर भी लोगों को जागरूकता के लिए भी उन्होंने जोर दिया। श्री अली ने कहा कि अल्पसंख्यक एवं दलित भाई के बीच जाकर अपनी बात को रखेंगे जल्दी एक सम्मेलन करेंगे पार्टी को मजबूत करने के लिए उन्होंने आज अपने पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं से सदस्यता एवं प्रदेश में जन जन तक पहुंचाने की बात कही और उन्होंने ने कहा कि शिवपाल सिंह यादव एक सच्चे सिपाही हैं और एक अच्छे राजनेता भी हैं उनके नियत में कोई खोट नहीं है हमेशा उन्होंने लोगों की मदद की है।शिवपाल यादव जब जब सरकार में रहे तब तक लोगों को फायदा पहुंचाया है और लोगों की हर संभव मदद करने का भी प्रयास किया है ऐसा नेता मिलना मुलायम सिंह के बाद अब शिवपाल यादव ही कर सकते हैं श्री अली ने अखिलेश यादव को कहा कि प्रदेश के अच्छे मुख्यमंत्री रहे हैं।

पुलिस कि सहमति से पीड़िता के रास्ते पर दबंगों ने किया अवैध कब्जा

संवाददाता, सलोन रायबरेली। इन दिनों पुलिस से सांठगांठ कर दबंग पीड़ितों पर सितम धानी में जरा भी संकोच नहीं कर रहे हैं जिससे पीड़ितों को न्याय मिलता ना मुनासिब साबित हो रहा है ताजा मामला सलोन कोतवाली क्षेत्र के ग्रामसभा धरई का है जहां कि निवासिनी पीड़िता मालती पत्नी दिनेश ने बताया कि गांव के ही नितिन पुत्र धर्मपाल , पुनम पत्नी धर्मपाल, राम अभिलाख, व बेशऊ ने हमारे घर के सामने बांस बांधकर रास्ते को अवरूद्ध कर दिया है जिससे प्रार्थिनी तथा प्रार्थिनी के परिवार को आने जाने में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है वर्तमान समय में पानी भी भर चुका है रास्ते पर बांस बांधने का विरोध किया तो दबंगों ने लाठी डंडों से लैस हो जान-माल कि धमकी देने लगे दबंगों ने कई बार मारपीट भी किया.

अखिल भारतीय वित्तविहीन शिक्षक का प्रदेश अध्यक्ष पंकज तिवारी को मनोनीत किया गया

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में लगातार वित्त विहीन शिक्षकों के लिए संघर्ष करने वाले तथा उनके सुख दुख में हमेशा तत्पर रहने वाले श्री नाथ तिवारी इंटर कॉलेज खानपुर के प्रधानाचार्य पंकज तिवारी को अखिल भारतीय वित्तविहीन विद्यालय संगठन का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत होने पर बधाई दी गई ।बधाई देने वालों में अशोक कुमार दुबे प्रकाश द्विवेदी शुभम मिश्रा रजत द्विवेदी सरस श्रीवास्तव दिलीप सिंह बबलू अनिकेत पटवा डॉक्टर सुनील शुक्ला रमेश मिश्रा बड़े बाबू, नागेंद्र पांडे, श्रीकांत यादव, श्याम शंकर मिश्रा, ज्ञान शंकर मिश्रा, विनोद मिश्रा, अंकुश गुप्ता, प्रवीण उपाध्याय, राजकुमार पांडे, राजू तिवारी अधिवक्ता, विमल यादव, बाबा लाल यादव, सुनील तिवारी, सचिन तिवारी, प्रदीप यादव आदि लोगों ने अखिल भारतीय वित्तविहीन विद्यालय संगठन के

राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रिभुवन नारायण शर्मा को बधाई दिया जो उन्होंने वित्तविहीन शिक्षकों के लिए हमेशा संघर्ष करने वाले बड़े भाई पंकज तिवारी शिक्षक नेता जी को उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष मनोनीत किया।

विनोद कुमार शर्मा बनए अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब के जिला अध्यक्ष

चांदपुर। अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक शर्मा तथा राष्ट्रीय महासचिव शशि राज शर्मा की संस्तुति पर चांदपुर निवासी पत्रकार विनोद कुमार शर्मा को पत्रकारिता क्षेत्र में उनकी सहभागिता, ख्याति, उपलब्धियां, योग्यता, एवं क्षमताओं को देखते हुए जनपद बिजनौर का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक शर्मा ने विनोद कुमार शर्मा को जनपद बिजनौर की कार्यकारिणी शीघ्र घोषित करने के निर्देश दिए है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीत त्यागी ने विनोद कुमार शर्मा से अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब के प्रति अपनी पूर्ण निष्ठा एवं मेहनत से कार्य करने की अपील की है।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा की बेहतर सुविधा हर नागरिक को मिले- डॉ शेखर

संवाददाता

❑ निःशुल्क चिकित्सा शिविरो का डॉ शेखर ने किया शुभारम्भ, उमड़ी भारी भीड़

हरदोई। जनपद की चर्चित हस्ती डॉ सोम शेखर दीक्षित ने रविवार को ग्राम करावां और ग्राम अयारी में कई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं देकर लोगो को बड़ा लाभ देने की सौगात दी।कड़ाके की ठंड और वारिश के बावजूद दोनों शिविरो में मरीजों की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। निशुल्क स्वास्थ्य शिविरो का शुभारंभ करते हुए आई एम ए शाहजहाँपुर के पूर्व अध्यक्ष डॉ सोम शेखर दीक्षित ने हुए कहा कि उनका प्रयास है कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा की बेहतर सुविधा समाज के हर नागरिक को मिले।वे क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाने को कार्यरत है।

कोरोना ने हमसे बहुत से अपनो को छीन लिया। इसलिये कोरोना जैसी बीमारी से लड़ने के लिये स्वास्थ्य सेवाओ की अच्छी तैयारी अति आवश्यक है।कोरोना की लहर के दौरान उनके शेखर अस्पताल शाहजहाँपुर में पहुँचे हजारों मरीजो को उन्होंने स्वास्थ्य सेवाएं दी लेकिन अब उनका विचार शाहाबाद में भी अच्छे हॉस्पिटल की व्यवस्था पर कार्य करने का है।वही निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से कोरोना जैसी जानलेवा बीमारी से लोगो मे जागरूकता और बचाब की समुचित जानकारी और मरीजो को स्वास्थ्य परामर्श पहुँचाना है।आगे भी वे पूरे मनोयोग से लोगो की समस्याओं को लेकर कार्य करते रहेंगे।ग्राम करावां में निशुल्क चिकित्सीय कैंप में डॉ शेखर एमबीबीएस एमडी,डॉ अखिलेश एमबीबीएस एमडी,डॉ शुभा एमबीबीएस एमएस स्त्री रोग,डॉ सुधांशु ग्रेजुएट डॉक्टर,सुजीत दास पैथोलॉजी विशेषज्ञ,श्रीकांत एवं प्रकाश वरिष्ठ सहायक ने मौजूद रहकर सैकड़ो मरीजो को चिकित्सीय सेवाएं दी।वही ग्राम अयारी में फ्री चिकित्सीय परामर्श कैंप में डॉ शेखर एमबीबीएस एमडी,डॉ अभिषेक एमबीबीएस एमडी,डॉ प्रवेश ग्रेजुएट डॉक्टर,प्रदीप बीपी विशेषज्ञ एवं हर्षित वरिष्ठ सहायक ने मौजूद रहकर मरीजो को लाभ पहुचाया।मरीजो की स्वास्थ्य की जांचें निशुल्क की गईं।ज्ञात हो कि डॉ सोम शेखर दीक्षित सदैव जनहित में कार्यरत रहे है और कोरोना की लहर में 10 लाख की सहायता राशि कोरोना पीड़ितों के लिये भी देने का पुनीत कार्य किया।

जयहिंद नेशनल पार्टी की प्रभुत्व जनसंपर्क अभियान के तहत राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी(लोहिया) के वरिष्ठ नेता ई.अजय कुमार से की मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश 2022 के चुनाव के मद्देनजर जयहिंद नेशनल पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने देश के प्रभुत्व ,विशिष्ट और व्यक्तियों से संपर्क अभियान जारी रखते हुए प्रगतिशील समाजवादी पार्टी(लोहिया) के वरिष्ठ नेता एवं भारतीय नव सेना अधिकारी(सेवानिवृत) ई.अजय कुमार से मुलाकात किया । प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इस कार्यक्रम को बरकरार रखा गया है और आगे भी जारी रहेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.आशीष श्रीवास्तव जी के नेत्तृव में,जयहिंद नेशनल पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी से मौजूद रहे, राष्ट्रीय संयोजक(प्रबंधन समिति) श्री प्रदीप कुमार जायसवाल जी एवं अन्य पदाधिकारीगण। डॉ.आशीष श्रीवास्तव जी ने पार्टी के विचारों,उद्देश्यों और आगामी चुनाव के कार्ययोजना के बारे में गणमान्य से चर्चा की। इस चर्चा में मौजूद रहे श्री अश्वनी कुमार मेहता ,राष्ट्रीय अध्यक्ष, (वेटेरन भारतीय नव सेना) एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन) ,श्री योगेश पांडेय जी(वरिष्ठ नेता, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया),एवं श्री अभिषेक दत्त जी। डॉ. आशीष श्रीवास्तव जी, एवं सभी गणमान्य व्यक्तियों ने उत्तर प्रदेश के

मौजूदा राजनैतिक बिंदुओं पर बहुत गंभीरता से चर्चा किया, और चुनाव समिकरण का भी विश्लेषण किया गया। सभी ने अपना अनुभव भी साँझा किया और साथ ही साथ बहुत उत्साहवर्धन किया और ये बात प्रमुखता से कही की देश की राजनीति में पढ़े,लिखे,शिक्षित और भले लोगो को सक्रिय सहभागिता देनी होगी और अंतत: जयहिंद नेशनल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.आशीष श्रीवास्तव जी ने ई. अजय कुमार जी के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए मांगा आशीर्वाद

कानपुर। समाजवादी युवा जन सभा प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु मिश्रा ने रसूलाबाद विधानसभा के कई गांव में घूम कर गरीबों किसानों महिलाओं को सर्दी बचाओ के लिए कंबल वितरण किया महिलाओं किसानों युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान की योगी बाबा की तानाशाही सरकार पूरी तरह से फेल है वो सिर्फ गरीबों किसानों का शोषण करती रही है अब समय आ गया है कि इस सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने का आज उत्तर प्रदेश को अखिलेश यादव जी के नेतत्व की आवश्यकता है क्योंकि उनके कार्यकाल में ही विकास कार्य व महिलाओं किसानों का हित सम्भव है समाजवादी युवा जन सभा संगठन का एक ही लक्ष्य है कि घर घर अखिलेश यादव के विकास कार्यो को पहुँचना और योगी बाबा की फेल सरकार को जनता को बता कर हटाना,सभी लोगो से शपथ लेकर श्री अखिलेश यादव जी को पुन: मुख्यमंत्री बनाने की बात कही है

वाहन चेकिंग अभियान के दौरान वाहन चालक भागते नजर आए

पिंडारी मोड़ हाइवे पर पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

पिरौना। जनपद जालौन पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रविवार को पिंडारी मोड़ पर पिरौना पुलिस द्वारा टू व्हीलर वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान टू व्हीलर वाहन चालक भागते नजर आए वही कुछ वाहनों के चालान भी काटे जिसमे चालक न तो हेलमेट पहने थे और ना ही ड्राइविंग लाइसेंस व गाड़ी के कागजात साथ भी नही थे। इससे इन वाहनों को थाने में जब्त कर लिया गया पुलिस चौकी प्रभारी योगेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एसपी के निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इन वाहनों के मालिक को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत हर्जाना देकर गाड़ी को छुड़ाना होगा। उन्होंने लोगों से कहा कि कोई भी व्यक्ति बिना हेलमेट के बाइक ना चलाएं, इसे कानून की रक्षा के साथ-साथ अपनी भी सुरक्षा कवच है। चेकिंग अभियान में एसआई योगेंद्र सिंह के साथ दीवान गंगाराम कॉन्स्टेबलबल अजय कुमार, मुलायम सिंह आदि मौजूद थे।

प्रभास की राधे श्याम भी हुई पोस्टपोन

कब तक सिनेमा पर मंडराएगा कोरोना का ग्रहण

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार प्रभाष और पूजा हेगड़े की बहु-प्रतिक्षित फिल्म 'राधे श्याम' की रिलीज डेट को स्थगित कर दिया गया है। पहले ये फिल्म 14 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोनावायरस के कारण फिल्म के मेकर्स कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहते हैं, इसलिए फिल्म को फिलहाल के लिए टालने का फैसला लिया गया है। देश के कई राज्यों ने कोरोनावायरस और इसके नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को चलते वीकेंड कर्फ्यू की घोषणा कर दी है। इससे सीधा असर सिनेमाघरों पर पड़ने वाला है। इसी के मद्देनजर फिल्म राधे श्याम के मेकर्स ने फिलहाल के लिए फिल्म की रिलीज डेट को स्थगित करने का निर्णय लिया है। बुधवार को 'राधे श्याम' के प्रोड्यूसर्स यूवी क्रिएशंस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर इसकी जानकारी दी है। मेकर्स ने एक स्टेटमेंट जारी किया, जिसमें कहा गया- हम पिछले कुछ दिनों से पूरी कोशिश कर रहे थे, मगर पिछले कुछ दिनों में ओमिक्रोन मामलों की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए हमें लगता है कि अपनी इस प्यारी फिल्म को बड़े पर्दे तक लाने के लिए इंतजार करना होगा। राधे श्याम मोहब्बत और किस्मत की कहानी है। हमें यकीन है कि आपका प्यार इस मुश्किल वक्त से उबरने में मदद करेगा। जल्द आपसे सिनेमाघरों में मुलाकात होगी। राधे श्याम का निर्देशन राधा कृष्ण कुमार ने किया है। प्रभास फिल्म में विक्रमादित्य के रोल में हैं, जबकि पूजा हेगड़े प्रेरणा का किरदार निभा रही है। इन दोनों की प्रेम कहानी फिल्म में दिखायी गयी है। पिछले दिनों हैदराबाद के रामोजी फिल्मसिटी में एक भव्य कार्यक्रम में राधे श्याम के सभी भाषाओं के ट्रेलर रिलीज किये गये थे। पिछले कुछ दिनों से देश में जैसे-जैसे कोविड-19 और ओमिक्रोन वैरिएंट के केस बढ़ने लगे, फिल्मों की रिलीज पोस्टपोन होने की खबरें आने लगी थीं। सबसे पहले शाहिद कपूर की फिल्म जरसी की रिलीज स्थगित हुई, जो 31 दिसम्बर को आने वाली थी। इसके बाद एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म आरआरआर की रिलीज भी रोक दी गयी।

कपिल शर्मा अब अपने स्टैंड अप के साथ नेटफ्लिक्स पर मचाएंगे धमाल

देश के फेमस कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अभी कुछ देर पहले अपने सोशल मीडिया पर एक बड़ा ऐलान किया है। एक्टर के इस पोस्ट के मुताबिक वो अपने नेटफ्लिक्स डेब्यू के लिए बिल्कुल तैयार हैं। कई दिनों से कपिल शर्मा के फैंस ये जानने के लिए एक्साइटेड थे कि आखिर कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर क्या लेकर आने वाले हैं? फैंस की इस बेसब्री को कपिल शर्मा ने आज खत्म कर दिया है। कपिल शर्मा अपना पहला स्टैंड अप लेकर आ रहे हैं, जो 28 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाला है। कपिल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने पहले स्टैंड अप को लेकर जानकारी देते और फुल ऑन मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए कपिल शर्मा ने कैप्शन में लिखा है- साथ 28 जनवरी को आपकी नेटफ्लिक्स स्क्रीन पर मिलते हैं। वहीं, कपिल ने जो वीडियो शेयर किया है, उसकी बात करें तो उसमें कॉमेडियन यह कह रहे हैं- हैलो, मैं कपिल शर्मा हूं और मैं अमृतसर से हूं। मैं अपनी इंग्लिश से थक चुका हूं। शुक्रिया इसके बाद कपिल कहते हैं-मैं तकरीबन 25 साल से इस इंडस्ट्री में हूं और मुझे लगता है कि 15 सालों से टीवी पर काम कर रहा हूं। दरअसल, मैंने कभी भी कॉमेडी को सीरियसली नहीं लिया था क्योंकि हम हमेशा ही हंसी मजाक करते रहते थे। ये हमारी नेचर में है, हम पंजाब वाले हैं तो हंसी मजाक करना अच्छा लगता है। कभी नहीं सोचा था कि इस चीज के भी पैसे मिलते हैं। एक आर्टिस्ट को हमेशा एक अंदर से आवाज आती है कि मेरा अभी खत्म नहीं हुआ है और मुझे अभी कुछ और भी करना है, लेकिन वो करें कहां पर। तो नेटफ्लिक्स ने मुझे बहुत आकर्षित किया है। इसकी जो शुरू होते ही एक आवाज आती है, वो मुझे बहुत मजेदार लगती है। ये एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो तकरीबन 190 देशों में देखा जाता है। इन सबने कहा कि हम आपकी स्टोरी सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। मैंने कहा सच में! आप कह सकते हैं कि इसमें मेरी कहानी है, लेकिन मेरे स्टाइल में। इसमें मैंने गाना भी गाया है, लेकिन गाना भी बिल्कुल अलग है। सबसे बड़ी बात ये है कि इंग्लिश में है। इसमें कई चीजें ऐसी हैं, जो पहले कभी नहीं हुआ है। बता दे, इसके बाद कपिल ने एक और वीडियो शेयर कर लोगो को इस शो में आने वाले मज्जे का पहले ही अंदाजा दे दिया है। कपिल के इस शो का ऐलान करने के बाद उन्हें उनके फैंस और दोस्त बधाई दे रहे हैं। एक तरफ जहां बधाइयों का सिलसिला जारी है, वहीं दूसरी तरफ फैंस को इसका डर है कि कहीं अब कपिल शर्मा अपने द कपिल शर्मा शो को अलविदा तो नहीं कहने वाले हैं। हालांकि, अभी इसे लेकर कोई खबर सामने नहीं आई है कि कपिल सोनी के अपने इस शो को अलविदा कहेंगे या नहीं?

राजकुमार राव को आया गुस्सा, उनका नाम इस्तेमाल कर 3 करोड़ की उगाही करने वाले को दे डाली चेतावनी

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव ने एक फर्जी ईमेल को लेकर चेतावनी दी है जो कि उनके नाम का इस्तेमाल करके 3 करोड़ रुपये की उगाही के लिए भेजा गया था। राजकुमार ने इस मेल का एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है कि, 'फर्जी लोग, कृपया करके ऐसे लोगों से पूरी तरह से सावधान रहें। मैं किसी भी सौम्या नाम के शख्स को नहीं जानता हूं। वो लोग फर्जी ईमेल आईडी और मैनेजर का इस्तेमाल लोगों से पैसे ठगने के लिए कर रहे हैं।' राजकुमार ने आगे इस मेल आईडी का स्क्रीनशॉट दिखाया जिसमें लिखा था कि, 'हाय अर्जुन! आपकी और मेरी मैनेजर सौम्या से हमारी आखिरी बातचीत के मुताबिक, मैं कहना चाहता हूं कि 'हनीमून पैकेज' नाम की फिल्म को करने के लिए मैं पूरी तरह से सहमत हूं, जिसे मिस्टर संतोष मास्की लिख रहे हैं और करू में भी डायरेक्टर मिस्टर संतोष मास्की है। मैं फिलहाल फिजिकली मुंबई में प्रेजेंट नहीं हूं, इसलिए मैं मेल पर ही अपनी सहमति भेज रहा हूं।'

साइन करने का प्रोसेस और स्क्रिप्ट नैरेशन, मेल किए गए एग्रीमेंट की हार्ड कॉपी एक बार मेरे मुंबई पहुंचने के बाद हो जाएगी। ये एग्रीमेंट तभी इफेक्टिव होगा जब 3, 10,000,00 (कुल का 50 फीसदी फीस) मेरे बैंक अकाउंट में जमा कराई जाती है या फिर मेरे मैनेजर सोम्या के मुताबिक जो उसने कहा है कि आप मुझे 10, 00, 00 नकद और 3,00,000,00 चेक के जरिए। मैं 6 जनवरी को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में नैरेशन के लिए कंफर्टेबल हूं। आप, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर, सभी मेल के साथ इनवाइटेड हैं। रिगार्ड्स राजकुमार राव। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, राजकुमार राव के पास इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स हैं जो कि पाइपलाइन में हैं, इनमें से 'भीड़' भी एक है, जिसे अनुभव सिन्हा ने डायरेक्ट किया है। 'भीड़' एक सोशियो-पॉलिटिकल ड्रामा है। इस फिल्म में राजकुमार राव के अपोजिट भूमि पेडनेकर नजर आएंगी।

दीपिका ने शादी के 4 साल पहले ही रणवीर संग कर ली थी गुपचुप सगाई

किसी को कानों कान नहीं थी खबर

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बॉलीवुड के चहेते कपल हैं। दोनों जब पति-पत्नी नहीं थे तबसे उनकी जोड़ी हिट है। कम लोग जानते हैं कि दीपिका-रणवीर ने शादी के 4 साल पहले ही सगाई कर ली थी। उन्होंने ये बात सबसे छिपाई थी। बस दोनों के माता-पिता और बहनों अनीषा और रितिका भवनानी को इस बारे में पता था। संजय लीला भंसाली की फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला की शूटिंग के दौरान 2012 में प्यार हुआ था। 6 साल रिलेशनशिप में रहने के बाद उन्होंने 2018 में शादी की थी। आज दीपिका पादुकोण का बर्थडे है। इस मौके पर यहां है उनके इंटरव्यू में अपनी सीक्रेट सगाई का खुलासा किया था। दीपिका और रणवीर सिंह ने शादी के चार साल पहले गुपचुप तरीके से सगाई कर ली थी। यह हम नहीं बल्कि दीपिका ने खुद एक इंटरव्यू में बड़ा खुलासा किया था। साल 2018 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया था कि उन्होंने इस खबर को सिर्फ अपने परिवार वालों तक सीमित रखा था। वे कहती हैं-जब मैं पीछे देखती हूं, छह महीने पहले मैं हमारे रिश्ते में पूरी तरह से इमोशनली इन्वेस्टेड थी। उसके बाद सोचती थी कि हम शादी कब करेंगे मैं रणवीर को लेकर कभी श्योर नहीं थी। हां, छह साल के लंबे रिलेशनशिप में कई उतार-चढ़ाव आते हैं पर हम कभी टूटे नहीं। कोई बड़ा झगड़ा नहीं हुआ, या चलो थोड़ा ब्रेक लेते हैं और इस रिश्ते को सुलझाते हैं, ऐसा कुछ नहीं हुआ। हमने लड़ाई की, पर हम हमेशा एक दूसरे के साथ रहे। हमने चार साल पहले सगाई कर ली थी। सिर्फ उसके पेरेंट्स और मेरे पेरेंट्स और हमारी बहनों को यह पता था। दीपिका का यह सीक्रेट उनकी शादी तक शायद ही किसी को पता था। उन्होंने 14 नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में डेस्टिनेशन वेडिंग की। उनकी शादी को भी मीडिया और लोगों की नजरों से दूर रखा गया था। आज उनकी शादी को तीन साल हो गए हैं। इन तीन सालों में दोनों ने कपल गोल्स तो दिए ही हैं, साथ ही फैशन के मामले में एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं।

कोविड पॉजिटिव एरिका फर्नांडिस को इस चीज ने दिया 3 बार धोखा

बोली इस पर मत करना भरोसा

कोरोना के केस लगातार बढ़ते हुए दिखाई दे रहे है। जिस रफ्तार से कोरोना फैलता दिखाई दे रहा है हर कोई इससे डर गया है। आम लोगो से लेकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर भी इसका बुरा असर दिखाई दे रहा है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक के बाद एक कोरोना के मामले सामने आते जा रहे हैं। अब टीवी ऐक्ट्रेस एरिका फर्नांडिस ने अपने कोविड पॉजिटिव होने की खबर दी है। उनके साथ उनकी मां को भी कोरोना हुआ है। एरिका ने संक्रमित होने के साथ लोगों को अगाह भी किया है कि खुद से टेस्ट की रिपोर्ट गलत आ रही है। इस वजह से उनकी और मां की परेशानियां बढ़ गईं। उनमें लक्षण होने के बाद भी सेल्फ टेस्टिंग किट से 3 रिपोर्ट नेगेटिव थीं। एरिका ने बताया कि लैब की रिपोर्ट पॉजिटिव थी तब तक उनकी दिक्कतें बढ़ चुकी थीं। एरिका ने पोस्ट किया है, कृपया इस पर ध्यान दें... जब कोविड पहली बार आया था तो मैं पैरानॉइड थी लेकिन मुझे ये भी पता था कि हममें से ज्यादातर लोगों को अभी या बाद में संक्रमण होगा। दुर्भाग्य से मेरा और मेरी मां का टेस्ट पॉजिटिव है। आप सभी को एक सलाह देना चाहूंगी कि घर पर टेस्टिंग किट का भरोसा न करें क्योंकि ये जरा भी भरोसेमंद नहीं हैं। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, 2 जनवरी को जब मुझे खांसी और गले में खराश हुई तो मैंने कोवीसेल्फ किट से टेस्ट किया। मुझे लैरिंजाइटिस है और ये सोचते हुए कि खांसी और गला खराब शायद उस वजह से हुआ हो लेकिन कंफर्म करने के लिए मैंने अगले दिनों में 2 और टेस्ट किए। तीनों टेस्ट नेगेटिव आए। मेरे साथ मेरी मां ने भी कोवीसेल्फ से टेस्ट किया, उनके भी टेस्ट नेगेटिव थे। लेकिन मुझे अच्छा फील नहीं हो रहा था क्योंकि इस बार गले की खराश इतनी बुरी थी कि लग रहा था कि गले में सैंड पेपर फंसा है। मेरे लक्षण बढ़ने लगे तो लैब से टेस्ट करवाया जो कि पॉजिटिव आया। मां और मुझे जकड़न, खांसी, जुकाम, शरीर और सिर में भयंकर दर्द और बुखार आ-जा रहा है, कभी-कभी कपकपी भी छूटने लगती है। हम आइसोलेटेड हैं और मेडिकल केयर ले रहे हैं। बीते हफ्तों में जो भी मेरे संपर्क में आया है, मैं उन सबसे दरख्वास्त करना चाहती हूं कि अपना टेस्ट करवा लें।

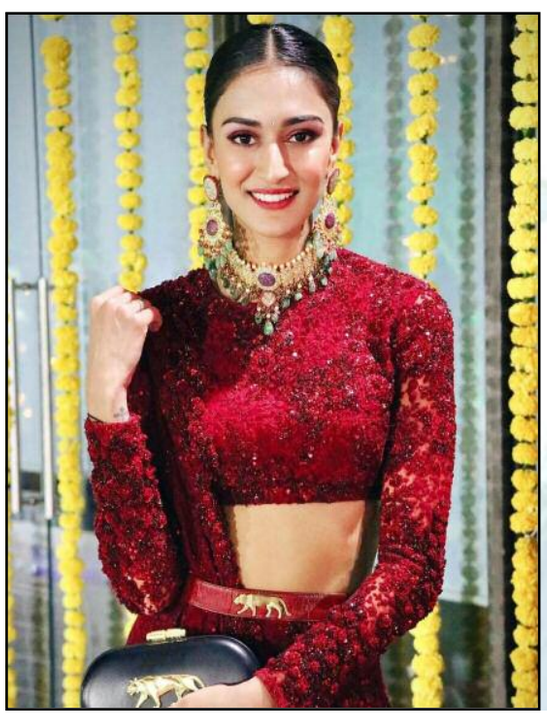

बॉलीवुड पर फिर मंडराया कोरोना का साया, सोनू निगम और उनका परिवार हुआ कोरोना पॉजिटिव

दुनिया भर में ओमिक्रोन के दस्तक देने के बाद अब एक बार फिर से बॉलीवुड जगत में कोरोना वायरस का विस्फोट हुआ है। अब तक इंडस्ट्री से जुड़े कई सेलेब्स इस जानलेवा वायरस का शिकार हो गए हैं। इस कड़ी में बुधावर को मशहूर सिंगर सोनू निगम भी इस वायरस की चपेट में आ गए हैं। यही नहीं सिंगर के साथ उनका बेटा, पत्नी और भाभी भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई हैं। अपने कोविड पॉजिटिव पाए जाने की खबर सोनू निगम ने खुद सोशल मीडिया के जरिये दी है। सोनू इंटरनेट की दुनिया में खूब सक्रिय रहने वाले सिंगर्स में से एक हैं। वो अपनी तस्वीरों और वीडियो के जरिए फैंस से जुड़े रहते हैं। सोनू निगम ने बुधवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने खुद के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बारे में बताया है। साथ ही इस वीडियो के माध्यम सोनू निगम ने अपने बेटे, भाभी की तबीयत के बारे में बताया है। सोनू निगम वीडियो में कहे रहे हैं कि वह कोरोना वायरस से कई बार संक्रमित हो गए हैं। वीडियो में उन्होंने कहा, मैं दुबई में हैं। मैं भारत में भुवनेश्वर में परफॉर्म करने और सुपर सिंगर सीजन 3 का सूट करने आया था। मैंने टेस्ट करवाया और मैं कोरोना पॉजिटिव हो गया हूं। अपनी इस वीडियो में आगे सोनू निगम कहते हैं, मैंने दोबारा टेस्क करवाया, जिसमें मैं फिर से मेरा टेस्ट पॉजिटिव आया था, लेकिन मुझे लगता है कि लोग इसके साथ जीना सिख जाएंगे। मैंने वायरल और खराब गले के साथ अपना पूरा कॉन्सर्ट किया था, लेकिन यह पहले से बेहतर था। मैं कोविड पॉजिटिव हूं, लेकिन मैं मरने वाला नहीं हूं। मेरा गला भी अब ठीक है लेकिन मुझे उनके लिए बुरा लग रहा है जो मेरी वजह से परेशानी झेल रहे हैं। वहीं अपनी इस वीडियो में मशहूर बॉलीवुड सिंगर ने ये भी बताया कि, यह बहुत तेजी से फैल रहा है। मुझे हमारे लिए बुरा लग रहा है क्योंकि काम अभी शुरू हुआ है। मुझे थिएटर से जुड़े लोगों और फिल्म निर्माताओं के लिए भी खेद है। क्योंकि पिछले दो साल से काम प्रभावित हो रहा है। लेकिन उम्मीद है कि चीजें ठीक होंगी। वहीं सोनू निगम का यह वीडियो सोशल मीडिया पर अब ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। सिंगर के फैंस उनके वीडियो पर कमेंट कर उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

बॉलीवुड

मेकअप के लिए समय नहीं मिलता?

ऑफिस जाने वाली महिलाएं हों या हाउस वाइफ, दोनों के पास वक्त का अभाव होता है. वे अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को पैंपर नहीं कर पातीं और मेकअप के सारे साधन होते हुए भी वे खुद को मेकअप से परे रखती हैं. इसकी वजह है उनके पास समय का ना होना. लेकिन अगर आप अपने लाइफ स्टाइल को थोड़ा सा और व्यवस्थित करें और दो मिनट खुद के लिए निकालें तो आप तमाम व्यस्तताओं के बावजूद खुद को पैंपर कर सकती हैं. तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि आप 5 मिनट में कैसे तैयार हो सकती हैं. इसके लिए आपको केवल 5 ब्यूटी हैक्स की मदद लेनी होगी.

जल्दी रेडी होने के लिए ब्यूटी हैक्स

रात में करें ये काम

जब भी आप रात को सोने जाएं तो अपने नाइट रुटीन में स्किन केयर को जरूर शामिल करें. उदाहरण के तौर पर सोने से पहले फेस वॉश से चेहरे को साफ करें और गुलाबजल या नाइट क्रीम भी लगाकर सोएं. सुबह आपका चेहरा एकदम फ्रेश दिखेगा. ऐसे में आप केवल काजल और लिप ग्लॉस लगाकर भी खूबसूरत नजर आएंगी.

बीबी या सीसी क्रीम का करें प्रयोग

हेवी फाउंडेशन और कंसीलर लगाने और उन्हें सेटल होने में समय लगता है. ऐसे में आप सुबह अपने मॉश्चराइजर के साथ बीबी या सीसी क्रीम का इस्तेमाल करें. ये आपके चेहरे पर ग्लो लाएगा और आपकी स्किन क्लीन नजर आएगी.

लिप ग्लॉस है काफी

अगर आपके पास बिलकुल समय नहीं है तो आप अपने पर्स में लिप ग्लॉस जरूर रखें. जैसे समय मिले आप इसे होठों पर लगाएं. आप इसे हल्के हाथों से आंखों के उपर भी फैला सकती हैं.

पैरों के लिए करें ये काम

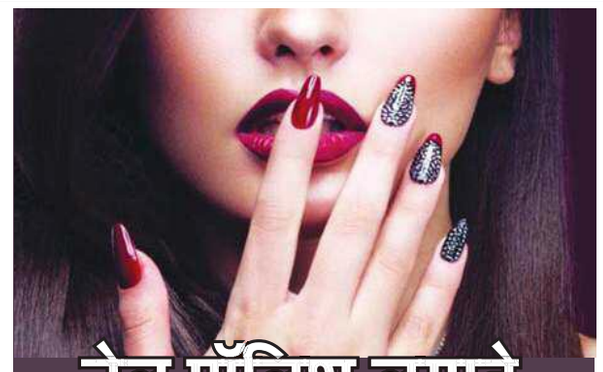

जब भी रात को सोने जाएं तो चेहरे के साथ-साथ पैरों पर भी क्रीम लगाए. अगर फट रहे हैं तो इन पर वैसलीन लगाना ना भूलें.

बालों में ऐसे दें वॉल्यूम

बालों में शैम्पू करने का समय नहीं है तो आप बालों की जड़ों में टेलकम पाउडर छिड़कें और बालों में ब्रश करें. आपके बाल फ्लफी लगेंगे. बेहतर होगा कि रात को बाल धोकर सोएं।

जरूरी एसेसरीज, हर पुरुष बन जाएगा स्टाइलिश

कंसीलर है जरूरी

हो सकता है कि आप पुरुषों के मेकअप वाले फंडे को न मानते हों। लेकिन सिर्फ एक कंसीलर से आप फुल मेकअप वाले रूप में नहीं आ जाएंगे। बल्कि ये आपको स्टाइलिश दिखने में मदद ही करेगा। ये आपके चेहरे की रौनक को कम करने वाले दाग-धब्बों को कम कर देगा। आपको अपने चेहरे की कमियां अलग से नहीं दिखेंगी और आप पूरी तरह से स्मार्ट दिखेंगे वो अलग। इससे आप दाग-धब्बे ही नहीं बल्कि रोजमर्रा में होने वाले रेजर बर्न भी छुपा सकते हैं।

घड़ी हो जानदार

आपके पास घड़ी होना कोई बड़ी बात नहीं है। बल्कि ये एक न एक हर पुरुष के पास होती ही है। लेकिन फिर भी अगर एक अच्छी घड़ी ले ली जाए तो समझिए कि आपके लुक को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इलेक्ट्रिक रेजर हो अच्छा वाला

पुरुषों की जिंदगी में रेजर की जरूरत कभी कम नहीं होती है। उनके पास एक रेजर होना मानो जरूरी है ही। सबके पास ये होता ही है लेकिन फिर भी हमारा आपको ये सुझाव है कि मार्केट में मौजूद रेजर में से बेस्ट वाला चुन लें। बेस्ट वाला शायद महंगा भी मिले लेकिन इसे महंगा खरीदने का फायदा आपको सालों तक मिलेगा। एक तो आपको स्मूद शेव मिलेगी, दूसरे अच्छी क्वालिटी का रेजर आपका साथ जल्दी नहीं छोड़ेगा। कई लोगों के रेजर 10 साल तक भी चलते हैं।

रुमाल पर कौन खर्चा करे

पुरुषों के लिए रुमाल कितनी जरूरी चीज हैं, ये बात सिर्फ वो ही जानते हैं। लेकिन फिर भी सालों तक पुराने रूमालों का इस्तेमाल करते रहना उन्हें काफी पसंद है। जबकि लोगों के बीच में जब आप पुराने और खराब दिखने वाले रुमाल निकालते हैं तो अच्छा बिल्कुल नहीं लगता है।

नेल पॉलिश लगाते समय इस बार ट्राई करें ये कलर कॉम्बिनेशन

हाथों की खूबसूरती के लिए नेल्स का सुंदर होना बेहद जरूरी है। सुंदर नेल्स न सिर्फ अच्छे दिखते हैं बल्कि मूड बूस्ट करने में भी आपकी मदद करता है। जरूरी नहीं है कि आप मेनिक्योर के लिए पार्लर में ही जाएं इसे आप घर में भी बेहद आसानी से कर सकते हैं। हालांकि, आप इसे करते समय कुछ डिफरेंट कलर कॉम्बिनेशन को अपना सकते हैं। अगर आप नेल आर्ट में डिजाइन के अलावा सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप नेल पेंट कलर पर ध्यान दें क्योंकि कई बार ऐसा होता है कि आप नेल पॉलिश का रंग काफी डार्क चुनते हैं और फिर नेल आर्ट के लिए भी बेहद डार्क रंग का कलर इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में ये बेहद बुरा लगता है। साथ ही ज्यादा हैवी डिजाइन स्लैक्ट न करें सिंपल डिजाइन बेहद खूबसूरत लगते हैं। साथ ही ये क्लासिक भी लगते हैं।

गोल्ड विद मैट रेड कलर

अगर आप करवाचौथ के लिए नेल आर्ट डिजाइन बना रही हैं तो ऐसे में गोल्ड को डार्क मैट रेड कलर के साथ अप्लाई कर सकती हैं। इसके लिए रेड कलर को बेस कलर में लगाएं और फिर गोल्ड कलर से कोई डिजाइन बनाएं।

व्हाइट विद कस्टर्ड टोन कलर

वैसे तो व्हाइट कलर से किसी भी रंग के साथ कम्बाइन किया जा सकता है। लेकिन अगर आप इसे कस्टर्ड या फिर स्किन कलर के साथ अप्लाई करती हैं तो यह क्लासी लगता है। साथ ही आप इसे किसी भी रंग के ड्रेस के साथ आराम से कैरी कर सकती हैं।

ब्लैक विद मटैलिक कलर

कभी कभी जब कई तरह के रंगो को लगाकर आप बोर हो जाती है तो आप ब्लैक कलर की नेल पॉलिश का इस्तेमाल कर सकती है। इसके साथ आप रिंग फिंगर पर मटैलिक कलर को लगाएं। ध्यान दें कि अगर ब्लैक रंद ग्लोसी है तो गोल्डन मटैलिक का इस्तेमाल करें और अगर ब्लैक कलर मैट है तो सिल्वर शेड के मटैलिक कलर को लगाएं।

पकौड़े बनेंगे होटल जैसे क्रिस्पी

बेसन घोलते समय अपनाएं ये ट्रिक्स

बारिश की शाम हो या सर्दी की सुबह, चाय के साथ बेसन के क्रिस्पी पकौड़े हर किसी को पसंद होते हैं। अगर आपने कभी सड़क के ठेले या किसी चाय के होटल के पकौड़े खाए होंगे तो नोटिस किया होगा कि वैसा स्वाद घर पर नहीं मिलता। आपको भी क्रिस्पी कुरकुरे पकौड़े पसंद हैं तो बेसन घोलते समय कुछ चीजों का ध्यान रखना होगा। यहां कुछ टिप्स हैं जिन्हें बेसन घोलते वक्त अपनाएंगे तो लोग आपके हाथ के पकौड़ों के फैन हो जाएंगे।

- कई बार पकौड़े कढ़ाई से निकालते वक्त तो क्रिस्पी होते हैं पर खाने चलो तो मुलायम हो जाते हैं। इसके लिए आपको बेसन घोलने के तरीक से लेकर तलने वाले तेल के टम्परेचर तक का ध्यान रखना होगा।
- पकौड़े के लिए बेसन को हमेशा ठंडे पानी से घोलें। बेसन को एक दिशा में घोलें और ध्यान रखें कि इसमें गांठें न रह जाएं। दूसरी चीज ये भी याद रखनी है बेसन बहुत ज्यादा पतला न हो जाए और बहुत गाढ़ा भी न रहे।
- पकौड़े के लिए बेसन घोलते वक्त इसमें चावल या मकई का आटा मिला दें। इससे पकौड़े क्रिस्पी बनेंगे। वहीं तेल अच्छी तरह गरम हो जाने दें तभी पकौड़े तलें। जल्दबाजी में पकौड़े डालने से ये सॉफ्ट हो जाएंगे।
- पकौड़े का बेसन घोलते वक्त इसमें 8-10 बूंद गरम तेल मिला लें। एक चीज और ध्यान रखें कि अगर आप प्याज, आलू या मिक्स वेज के पकौड़े बना रहे हैं तो इनका पानी सुखा लें। इसके लिए सब्जियां पहले काटकर इनमें नमक डालकर रख दें। जब पकौड़े बनाने चलें तो सब्जियों को निचोड़कर डालें।

लम्बे समय तक चावल रखें स्वच्छ-सुरक्षित

नीम का करें उपयोग

नीम में कीटनाशक गुण मौजूद होते हैं। यह अनाज को सुरक्षित रखने का एक पारंपरिक तरीका भी है। चावल को कंटेनर में रखने के बाद उसमें नीम की पत्तियां और कुछ सूखी हुई मिर्च डाल दें। इसे स्टोर किए हुए चावल लंबे वक्त तक सुरक्षित रहेंगे। इससे चावल में घुन पड़ने का खतरा भी खत्म हो जाएगा।

एयरटाइट कंटेनर का करें इस्तेमाल

कई बार चावल की बोरी लाकर हम सीधे डिब्बे में रख देते हैं, लेकिन इससे चावल के खराब होने का डर रहता है। चावल को कभी भी किसी पॉलिथीन या पतीले में न रखें। इन्हें हमेशा किसी एयरटाइट कंटेनर में ही रखना चाहिए। हवा लगने से चावल खराब होने की आशंका बढ़ जाती है। एयरटाइट कंटेनर होने से उसमें नमी के जाने का चांस भी कम होता है। इससे चावल लंबे समय तक स्टोर हो सकते हैं।

काली मिर्च के दाने

चावल को कीड़े से बचाने के लिए खड़ी लाल मिर्च के अलावा काली मिर्च के दानों का भी उपयोग किया जा सकता है। इससे भी चावलों में कीड़े लगने की आशंका बहुत कम हो जाती है। इसे नीम के साथ भी रखा जा सकता है।

फ्रिज का करें इस्तेमाल

कई बार देखा गया है कि गर्मी की वजह से भी चावल में कीड़े पड़ जाते हैं। अगर आपके पास चावल की मात्रा ज्यादा नहीं है तो उसे एक एयरटाइट कंटेनर में भरकर फ्रिज में भी रखा जा सकता है। ठंडक मिलने की वजह से चावल में कीड़े नहीं पड़ेंगे।

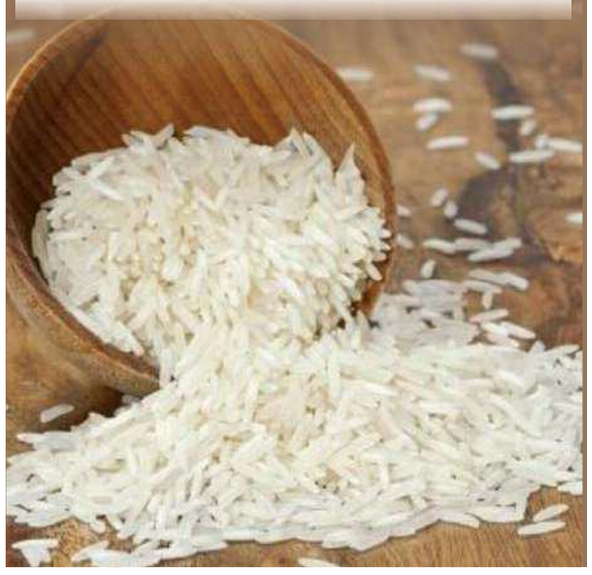

'टैनिंग' से हैं परेशान, तो करें केसर का उपयोग!

यह खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ इससे त्वचा को भी कई लाभ होते हैं। चलिए जानते हैं केसर का यूज करके स्किन की कई परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता हैं।

धूप के कारण से त्वचा पर 'टैनिंग' की परेशानी हो जाती है। इसके लिए भी केसर का यूज किया जा सकता है। केसर और दूध का पेस्ट बनाकर 'स्किन' पर लगाएं जिससे 'टैनिंग' की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। केसर 'एंटीऑक्सीडैंट' से भरपूर होता है। इसका यूज करके बालों को स्वस्थ और चमकदार बनाया जा सकता है। इसमें 'एंटीबैक्टीरियल' गुण पाएं जाते हैं, जिससे चेहरे के कील-मुंहासों की परेशानी दूर करने में मदद करते है। इसके लिए केसर के 10 रेशे और 5-6 तुलसी की पत्तियां लीजिए और इन दोनों का 'पेस्ट' बना लीजिए। इसे कुछ देर के लिए मुंहासों पर लगा कर रखें और फिर चेहरा धो लीजिए। क्या आपके चेहरे पर चोट लगने के बाद निशान पड गए हैं, तो आप केसर का यूज करके इन्हे दूर कर सकते हैं। इसके लिए दो छोटे चम्मच केसर को पानी में भिगोएं और पेस्ट तैयार कीजिए। अब इसमें कुछ बूंदे नारियल तेल की मिलाकर घाव पर लगाना चाहिए। हर रोज ऐसा करने से बेहद जल्दी घाव भर जाता है और उसके निशान भी कम हो जाएंगे।

पेट, किडनी, लिवर की बीमारियों के लिए शहद-लौंग

लौंग के पोषक तत्व

लौंग को मसाले के रूप में खाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसमें कई बीमारियों का इलाज करने की क्षमता होती है। लौंग में मैंगनीज, विटामिन के, आयरन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर पाए जाते हैं।

शहद के पोषक तत्व

अगर बात करें शहद की तो इसमें भी प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम, सोडियम और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व भरे हुए हैं, जो शरीर को रोगों से दूर रखने की क्षमता रखते है।

लौंग और शहद के फायदे

गले की खराश के लिए शहद और लौंग

चिपचिपा होने के कारण शहद गले की खराश को कम करता है और कफ खत्म करने का काम करता है। गले में खराश अक्सर संक्रमण से जुड़ी होती है इसलिए लौंग और शहद को मिलाने से इंफेक्शन और संक्रमण से जुड़े दर्द से राहत मिलती है। यह विधि ग्रसनीशोथ के खिलाफ भी बहुत प्रभावी है।

माउथ अल्सर के लिए शहद और लौंग

लौंग एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक एजेंट है। लौंग मुंह के छालों के कारण दर्द से राहत दिलाने में मदद करता है। लौंग और शहद मिश्रण मुंह के छालों के उपचार के लिए बेहतर तरीके से काम करता है।

लिवर के लिए लौंग और शहद

लौंग में मौजूद यौगिक 'यूजेनॉल' लिवर के लिए फायदेमंद है। लिवर का कामकाज सुधारने के अलावा, लौंग सूजन को कम करके फैटी लिवर की बीमारी से बचा सकता है। यह लिवर स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

इम्यून पावर बढ़ाने में मददगार

शहद और लौंग का मिश्रण इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। इन दोनों चीजों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाकर शरीर को सर्दी-खांसी जैसे इंफेक्शन से बचाने में सहायक होते हैं।

इंफेक्शन से बचाने में सहायक

इन दोनों में कई ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जो शरीर को कई इंफेक्शन से बचाए रखते है। इसमें मौजूद फ्लेवोनॉइड्स हार्ट की बीमारियों से बचाए रखता है। इसके अलावा इसमें इसमें कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं जो एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं।

खिचड़ी को बनाएं और लजीज

मिक्स्ड वेजेटेबल और ओट्स खिचड़ी

चावल की जगह ओट्स का इस्तेमाल करके आप अपनी खिचड़ी को और भी सेहतमंद बना सकते हैं. आप इसमें अपनी मनपसंद दाल डालें और उसमें उबली हुई या हल्की फ्राय की हुई सब्ज़ियां डालें, जो भी आपके फ्रिज में उपलब्ध हों, जैसे गाजर, बीन्स, टमाटर, मटर, शिमला मिर्च और ब्रोकलि. यदि आप तीखा पसंद करते हैं, तो आप स्वादानुसार हरी मिर्च भी डाल सकते हैं.

पालक, दाल और अखरोट की खिचड़ी

दाल और चावल से तैयार की जानेवाली खिचड़ी में पालक प्यूरी मिलाने से पोषण के साथ-साथ और स्वाद भी बढ़ जाता है. पालक दाल खिचड़ी काफ़ी लोकप्रिय है और एक-पॉट मील में ही आपको कार्ब्स, दाल और सब्ज़ियों के फ़ायदे एक साथ मिलते हैं. अतिरिक्त पोषण के लिए उसमें अखरोट भी मिला सकती हैं. अखरोट से गार्निश भी किया जा सकता है, जो आपको क्रंची स्वाद देगा.

साबूदाना खिचड़ी

चावल-दाल की खिचड़ी की जगह आप साबूदाने की खिचड़ी भी बना सकते हैं और इसे बनाने का तरीक़ा भी थोड़ा अनोखा है. कुछ घंटे भिगोकर रखे हुए साबूदाने में भुनी हुई मूंगफली, आलू, मसाले, घी, हरी धनिया, अदरक और हरी मिर्च डालकर बनाई जाती है यह खिचड़ी.

इनके अलावा हम आपको एक बोनस रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम है रेड राइस खिचड़ी. साबुत अनाज और पारंपरिक ज़ायके के साथ तैयार की जानेवाले इस पौष्टिक और स्वादिष्ट वन पॉट मील को बनाना सीखें.

सर्विंग साइज़: 4-5

सामग्री : 250 ग्राम रेड राइस

40 ग्राम मसूर दाल

40 ग्राम अरहर दाल

40 ग्राम चना दाल

50 ग्राम देसी घी

5 ग्राम जीरा

5 ग्राम दालचीनी

2 लौंग

टेबलस्पून हींग

टेबलस्पून हल्दी

टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर

टेबलस्पून गरम मसाला

1 लीटर वॉटर

1 टेबलस्पून नमक

टीस्पून लेमन पाउडर

विधि : सभी दालों को नॉर्मल पानी में 20 मिनट तक भिगोकर रखें.

अब एक बड़े पैन में देसी घी को हाई फ्लेम पर गर्म करें और उसमें हींग डालें.

सभी मसालों को डालें और दो मिनट के लिए भून लें.

दालों से पानी निथार लें और उसे पैन में डालें. राइस भी डालें और पांच मिनट तक भुनें.

पानी डालें,15 मिनट तक पका लें.

फ्लेम बंद कर दें और लेमन पाउडर मिलाएं. सिल्वर फ़ॉइल पेपर से कवर कर दें.

अब उसे दम लगाएं. या अच्छी तरह से सील करके पांच मिनट तक लो फ़्लेम पर पकाएं.

देसी घी डालकर गर्मागर्म सर्व करें.

आज की रेसिपी

परफेक्ट रशियन सलाद

जूसी, खट्टे फलों के साथ रिफ्रेशिंग खीरा, पत्तागोभी और ढेर सारे मसालों के कॉम्बिनेशन से तैयार किया जाता है. गाढ़ी दही इसे परफेक्ट रशियन सैलेड को तैयार करके किसी भी चीज के साथ सर्व किया जा सकता है.

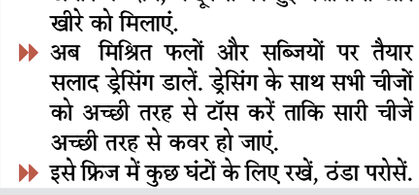

सामग्री :

- 1 कप गाढ़ा दही
- 1 मीडियम आलू (उबला हुआ)
- 1/2 सेब
- 1/3 कप अनानास के टुकड़े
- 2 टेबल स्पून अनार के दाने
- 2 टेबल स्पून हरे अंगूर
- 1/2 छोटा खीरा
- 2 टेबल स्पून पत्तागोभी, कद्दूकस
- 2 टी स्पून चीनी
- 1 टी स्पून काली मिर्च पाउडर
- नमक

विधि :

- एक बाउल में दही, चीनी, काली मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर सलाद की ड्रेसिंग तैयार करें.
- अब छीलकर उबले हुए आलू और सेब को छोटे टुकड़ों में काट लें.
- खीरे को कद्दूकस कर लें. इसे निचोड़ कर पानी निकाल दें.
- एक बाउल में सेब, अनानास के टुकड़े, अंगूर, अनार के दाने, कद्दूकस की हुई पत्तागोभी और खीरे को मिलाएं.
- अब मिश्रित फलों और सब्जियों पर तैयार सलाद ड्रेसिंग डालें. ड्रेसिंग के साथ सभी चीजों को अच्छी तरह से टॉस करें ताकि सारी चीजें अच्छी तरह से कवर हो जाएं.
- इसे फ्रिज में कुछ घंटों के लिए रखें, ठंडा परोसें.

लाल केले के फायदे

अक्सर आपने बाजार में पीले और हरे केले बिकते हुए देखे होंगे। लेकिन क्या आपने कभी लाल केला खाया है? लाल केले के बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। पीले केले हमारी सेहत के लिए अच्छे होते हैं लेकिन लाल केले के अलग-अलग फायदे हैं। लाल केले पीले केले से आकार में छोटे होते हैं। आज हम आपको लाल केले के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लाल केला हमारी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। जिन लोगों की आंखों की रोशनी खराब है या जिनकी आंखें खराब हैं वे इसका उपयोग कर सकते हैं।

यदि आप दोपहर के भोजन के बाद अक्सर सो जाते हैं, तो इस विधि को अपनाने की कोशिश करें, शरीर ताज़ा हो जाएगा।

लाल केले पोटैशियम से भरपूर होते हैं, जो कैंसर और किडनी की समस्याओं को ठीक करता है। यह बहुत कम कैलोरी वाला भोजन है। यही कारण है कि यह वजन घटाने के लिए इतना अच्छा साबित होता है। इसे खाने से आपका पेट भर जाता है और आपको भूख कम लगती है।

लाल केला खाने से आपका रक्तचाप भी नियंत्रण में रहता है। अगर आपका ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है तो आप इसके लिए लाल केला खा सकते हैं। लाल केला खाने से रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

सौंफ का बीज ही नहीं उसकी जड़ भी सेहतमंद

सौंफ की जड़ें पोटैशियम और कैल्शियम से भरपूर होती हैं, जो ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करने, हड्डियों और मांसपेशियों का घनत्व बढ़ाने और मज़बूती दिलाने का काम करते हैं. सौंफ ज़ीरो कोलेस्टेरॉल खाद्य पदार्थ है, जिसमें ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स, विटामिन्स ए, सी, के और मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा होती है. यह दिल को स्वस्थ रखनेवाला मसाला है.

पारमेज़ान के साथ भुना हुआ सौंफ पकौड़ा

सामग्री : 2 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल

2 सौंफ़ की जड़ें, आधे-आध कटा हुआ

2 टेबलस्पून पारमेज़ान

नमक और काली मिर्च स्वादानुसार

विधि : अवन को 375 फ़ारेनहाइट पर प्रीहीट करें.

एक बेकिंग डिश को थोड़ा ऑलिव ऑयल लगाकर चिकना कर लें.

सौंफ की जड़ों को एक लाइन में लगाकर रख दें.

नमक और काली मिर्च छिड़कें और ऊपर से कटा हुआ पारमेज़ान एक साथ डालें.

अब ऑलिव ऑयल धीरे-धीरे सौंफ की जड़ों पर अच्छी तरह से डालें.

बेकिंग डिश को अवन में रखें

सौंफ और पारमेज़ान को ब्राउन होने तक भूनें.

इस पूर्व दिग्गज खिलाड़ी ने की हनुमा विहारी की जमकर वकालत

बोले- केपटाउन टेस्ट में नंबर 5 पर सौंपनी चाहिए जिम्मेदारी

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट मैच को 7 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 240 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट गंवाकर हासिल कर दिया। ऐसे में अगर भारतीय टीम को सीरीज जीतनी है तो केपटाउन में 11 जनवरी से खेले जाने वाले तीसरे और आखिरी टेस्ट मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करना होगा। जिसको लेकर पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर की टिप्पणी सामने आई है। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 202 रन बनाये थे जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 229 रन बनाकर 27 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत ने दूसरी पारी में 266 रन बनाये। इस दौरान चेतेश्वर पुजारा-अजिंक्य रहाण ने तीसरे विकेट के लिए 111 रनों की साझेदारी की। जिसमें दोनों तेज रन-रेट के साथ खेलते हुए दिखाई दिए। पुजारा ने जहां 86 गेंद पर 53 रन बनाए, वहीं रहाणे ने 76 गेंदों में 56 रन की पारी खेली। विराट कोहली के चोटिल होने के बाद दूसरे टेस्ट में शामिल हनुमा विहारी ने 5 नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए टीम के लिए एक छोर से नाबाद 40 रन बनाए। माना जा रहा है कि केपटाउन टेस्ट में विराट कोहली की वापसी हो सकती है, ऐसे में पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने जोर देकर कहा कि अगर विहारी एकादश में जगह बनाने से चूक गए तो यह अनुचित होगा।

विदेशी कोच के साथ प्रेक्टिस नहीं करना चाहते बजरंग और रवि

एजेंसी, नयी दिल्ली। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया विदेशी कोच के साथ विदेश में ज्यादा समय नहीं बिताना चाहते इसलिये उन्होंने 2024 पेरिस खेलों की तैयारी के लिये देश में भारतीय कोच के साथ अभ्यास करने का फै सला किया है। बजरंग ही नहीं बल्कि तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि ने भी भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को बता दिया है कि वे विदेश के निजी कोच रखने के बजाय भारतीय प्रशिक्षकों के साथ अभ्यास करना पसंद करेंगे। बजरंग जार्जिया के शाको बेनटिनिडिस के साथ ट्रेनिंग करते थे जबकि रवि के पास रूस के कमाल मालिकोव थे, जिनके साथ भारतीय कोच भी छत्रसाल स्टेडियम में उनकी मदद करते थे। बजरंग बेनटिनिडिस के साथ संबंध खत्म करने के बाद विदेशी कोच ढूंढने की कोशिश कर रहे थे लेकिन उन्हें कोई कोच नहीं मिला। रूस में उनके मौजूदा अभ्यास शिविर के दौरान भी वह कोच ढूंढ रहे थे और 27 वर्षीय पहलवान के अनुसार कोई भी भारत आने को तैयार नहीं हुआ। बजरंग ने मास्को से पीटीआई से कहा, ''ये कोच चाहते थे कि मैं सत्र का कम से कम 80 प्रतिशत समय उनके देश में बिताऊं और यह शर्त मुझे स्वीकार नहीं थी। मैं आधा समय बिताने को तैयार था लेकिन कोई भी भारत आने को तैयार नहीं था इसलिये मैंने भारतीय कोच के साथ ट्रेनिंग करने का फै सला किया।'' उन्होंने कहा, ''मैं नहीं जानता कि उन्हें भारत आने में क्या परेशानी है।'' बजरंग से पूछने पर कि वह किस कोच के साथ अभ्यास करेंगे तो उन्होंने कहा कि अभी तय करना बाकी है। वह भारतीय रेलवे के साथ जुड़े हुए हैं तो उम्मीद है कि वह रेलवे का कोच रखेंगे। रवि ने हाल में अपने ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास शुरू किया था और उनके 'स्पारिंग' जोड़ीदार अरूण कुमार उनकी मदद कर रहे हैं। डब्ल्यूएफ आई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा, ''रवि और अधिक ट्रेनिंग जोड़ीदार चाहता हैं। हम गोंडा में रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता के दौरान उसके वर्ग में किसी को देखेंगे।'' उम्मीद है कि दीपक पूनिया भी अपने लंबे समय के ट्रेनर वीरेंद्र कुमार के साथ ट्रेनिंग जारी रखने को तरजीह देंगे जिन्होंने दिल्ली के बाहरी इलाके मरमूरपुर में नया ट्रेनिंग केंद्र बनाया है।

देश में कोविड-19 की तीसरी लहर आने का खतरा बना हुआ है तो डब्ल्यूएफआई को भी राष्ट्रीय शिविरों के लिये विदेशी कोच नियुक्त करने में मुश्किल हो रही है। तोमर ने कहा, ''कोई भी कोविड-19 के कारण भारत की यात्रा करने का इच्छुक नहीं है इसलिये हमारे भारतीय कोच के साथ ही फरवरी में राष्ट्रीय शिविर शुरू करने की उम्मीद है।

कोरोना मामले आने पर एमसीए कार्यालय बंद

बीसीसीआई में भी आये मामले

एजेंसी, मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को अपना कार्यालय बंद करने के लिये बाध्य होना पड़ा क्योंकि उसके 15 स्टाफ सदस्यों को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है। विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के कार्यालय में भी कुछ कोविड-19 पॉजिटिव मामले सामने आये हैं। बीसीसीआई का मुख्यालय क्रिकेट सेंटर है जो दक्षिण मुंबई में स्थित है। एमसीए का कार्यालय भी इसी इमारत में है। एमसीए के एक सूत्र ने कहा, ''स्टाफसदस्य कोविड-19 पॉजिटिव आये हैं जिसके बाद हमने आज से तीन दिन के लिये कार्यालय बंद कर दिया है।'' बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''हां, कुछ पॉजिटिव मामले सामने आये हैं क्योंकि मुंबई में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं। 90 प्रतिशत स्टाफ घर से काम कर रहा है जबकि बोर्ड के कार्यालय में बहुत कम स्टाफकाम कर रहा है। हालांकि कार्यालय अभी खुला है, हमने इसे बंद नहीं किया है।'' मुंबई में कोविड-19 के 20,181 नये मामले सामने आये हैं।

भारत की हार की वजह सिर्फ रिषभ पंत का आउट होना नहीं बल्कि क्या रहा, गावस्कर ने बताया कारण

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत को जोहानसबर्ग टेस्ट मैच में 7 विकेट से हार मिली और मेजबान टीम की इस जीत में कप्तान डीन एल्गर की नाबाद 96 रन की पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में एक तरफ जहां भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा तो वहीं गेंदबाजों ने भी औसत दर्जे का प्रदर्शन किया। प्रोटियाज इस टेस्ट में पूरी तरह से भारतीय टीम पर हावी दिखे तो वहीं इस मैच में रिषभ पंत का खराब शाट खेलकर आउट होना भी बड़ा ही चर्चा का विषय रहा। दूसरी पारी में पंत क्रीज पर तब आए जब रहाणे व पुजारा पवेलियन लौट गए थे। वहां पर पंत को स्थिति के मुताबिक खेलते हुए टीम के लिए कुछ रन बनाने की जरूरत थी, लेकिन वो बेहद गैर जिम्मेदार नजर आए और काफी खराब शाट खेलकर आउट हुए। इसके लिए उनकी जमकर आलोचना भी हुई, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत की हार के लिए पूरी तरह से रिषभ पंत ही जिम्मेदार नहीं रहे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि रिषभ पंत का आउट होना ही भारत की हार के लिए सिर्फजिम्मेदार नहीं रहा। मुझे लगता है कि टीम के अन्य बल्लेबाजों ने वैसा योगदान नहीं दिया जो उन्हें करना चाहिए था। अगर भारत ने दोनों पारियों में 300 रन बनाए होते तो कहानी कुछ और होती। पंत के शाट के बारे में आप कह सकते हैं कि वो काफी खराब था, लेकिन यह कारण नहीं था कि भारत हार गया। भारत को और रन बनाने चाहिए थे और पहले बल्लेबाजी करते हुए उनकी शुरुआत भी ठीक थी, लेकिन वो इसका फायदा नहीं उठा पाए और 280-300 रन के स्कोर तक नहीं पहुंच पाए। वहीं दूसरी पारी में पुजारा और रहाणे के बीच 111 रन की साझेदारी तीसरे विकेट के लिए हुई। इसके बारे में गावस्कर ने कहा कि अगर इन दोनों के बीच कुछ लंबी साझेदारी और हो जाती तो क्या पता।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 7 विकेट से हराया

1-1 की बराबरी पर पहुंची तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला

साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार के तीन सबसे अहम कारण पूर्व ओपनर बल्लेबाज गंभीर ने बताए

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 7 विकेट से मिली हार के बाद पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर ने इस हार के तीन सबसे प्रमुख कारण बताए हैं। स्टार स्पोर्टस के साथ बात करते हुए गंभीर ने इस हार का पहला कारण बताते हुए कहा कि दूसरे टेस्ट मैच में चौथे सीमर की कमी साफतौर पर दिखी। अगर सिराज पूरी तरह से फिट होते तो कप्तान केएल राहुल अपने दो प्रमुख तेज गेंदबाजों को बेहतर तरीके से रोटेट कर पाते। वहीं आप जानते हैं कि एक बार गेंद गीली हो जाने के बाद अश्विन की मदद नहीं करेगी और आपके पास सिर्फतीन ही तेज गेंदबाज थे। अगर सिराज भी टीम में होते तो हमें तेज गेंदबाजों का और भी बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलता। वहीं गंभीर ने हार का दूसरा कारण बताते हुए कहा कि साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज अपनी हाईट की वजह से भारतीय गेंदबाजों के मुकाबले ज्यादा प्रभावी साबित हुए। वो भारतीय बल्लेबाजों का टेस्ट अपनी छोटी गेंदों से लेने में ज्यादा सक्षम थे क्योंकि भारत के गेंदबाजों के मुकाबले उनके पास ये स्वाभाविक रूप से है। गंभीर ने कहा कि अपनी हाईट की वजह से साउथ अफ्रीकी गेंदबाज शार्ट पिच गेंद ज्यादा अच्छी तरह से कर पा रहे थे। वहीं भारत की तरफसे बुमराह से आप ऐसी उम्मीद कर सकते हैं, लेकिन शमी के साथ ऐसा नहीं है और उनकी ज्यादातर शार्ट पिट गेंद कीपर से सिर के उपर से निकल गई। ऐसे में भारतीय तेज गेंदबाज ज्यादा प्रभावी नहीं दिखे। हार की तीसरी वजह बताते हुए गंभीर ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजी भी एक समस्या रही। आपने टास जीता और सिर्फ 200 पर आउट हो गए और आपको जो लाभ मिल सकता था उसे खो दिया। केएल राहुल ने सही कहा कि सेंचुरियन और जोहानसबर्ग टेस्ट में पहली पारी के स्कोर का काफी प्रभाव पड़ा। पहले टेस्ट मैच में भारत ने पहली पारी में 350 रन बनाए थे और जीता था। वहीं जब आपने जीत के लिए 200-220 का टारगेट दिया है तो जरूरी नहीं है कि हर बार आपके

साउथ अफ्रीका से हार के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपयिनशिप की अंक तालिका में भारत का अब है ऐसा हाल

गेंदबाज आपको जीत दिला दें वो भी तब जब आपको पास सिर्फ चार गेंदबाजों का विकल्प हो। सेंचुरियन में शानदार खेल दिखाने वाली टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। जोहानिसबर्ग में दूसरे टेस्ट मुकाबले में भारत को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। भारत के हार के साथ ही तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर पर है। दक्षिण अफ्रीका के सामने भारत में 240 रनों का लक्ष्य रखा था। बारिश से प्रभावित चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका की टीम ने यह लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के सिर्फ 3 विकेट गिरे थे। कप्तान डीन एल्गर ने नाबाद 96 रनों की पारी खेली। पहली पारी के आधार पर दक्षिण अफ्रीका को भारत पर 27 रनों की बढ़त थी। पहली पारी में भारत ने 202 रन बनाए थे जबकि पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका ने 229 रन बनाए थे। भारत ने अपनी दूसरी पारी में अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के संघर्षशील पारी की बदौलत 266 रन बनाने में कामयाब जरूर हुआ था लेकिन 240 रनों के लिए लक्ष्य को भारत बचा नहीं पाया। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 11 जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा। भारत की ओर से अश्विन ने 2 विकेट लिए जबकि एक विकेट शार्दुल ठाकुर के खाते में गया। जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर भारत की छह टेस्ट मैचों में यह पहली हार है। दक्षिण अफ्रीका ने चौथे पारी में 240 रनों के लक्ष्य को हासिल कर एक नया इतिहास रच दिया है। दक्षिण अफ्रीका के आगे अब सिर्फऑस्ट्रेलिया है जिसने पर्थ में 340 रनों के लक्ष्य को हासिल किया था वह भी 1977-78 में। जबकि वेस्टइंडीज ने 276 रनों का लक्ष्य दिल्ली में हासिल किया था वह भी 1987-88 में। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहानसबर्ग टेस्ट मैच में मिली हार के बाद भारत को 9.07 अंक का नुकसान हुआ, लेकिन वो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में अभी भी चौथे स्थान पर बरकरार है। वहीं 50 फीसदी अंक के साथ साउथ अफ्रीका की टीम पांचवें नंबर पर है। इस अंक तालिका में फिलहाल आस्ट्रेलिया पहले नंबर पर है तो वहीं श्रीलंका दूसरे जबकि पाकिस्तान तीसरे स्थान पर मौजूद है। साउथ अफ्रीका को जब भारत ने पहले टेस्ट मैच में हराया था तब ये टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर थी, लेकिन दूसरे टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद इस टीम ने जबरदस्त छलांग लगाई और पांचवें नंबर पर भारत के ठीक करीब पहुंच गई। आपको बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम को जोहानसबर्ग टेस्ट मैच में 7 विकेट से हार मिली थी। इस मैच में भारतीय टीम ने प्रोटियाज को जीत के लिए 240 रन का लक्ष्य दिया था। इस लक्ष्य को मेजबान साउथ अफ्रीका ने मैच के चौथे दिन कप्तान डीन एल्गर के नाबाद 96 रन की पारी के दम पर तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया था। इस मैच में खेल के चौथे दिन लगातार बारिश की वजह से तीन सेशन का खेल नहीं हो पाया था, लेकिन चौथे सेशन में साउथ अफ्रीका को बल्लेबाजी का मौका मिला और टीम ने जीत हासिल कर ली। साउथ अफ्रीका ने दूसरा टेस्ट मैच जीतकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में फिलहाल 1-1 की बराबरी कर ली है। दूसरे टेस्ट मैच में कप्तान विराट कोहली चोटिल थे जिसकी वजह से नहीं खेल पाए थे, लेकिन अब वो फिट हैं और कहा जा रहा है कि तीसरे टेस्ट मैच में उनकी वापसी होगी। भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ उसकी धरती पर पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने के लिए अब केपटाउन टेस्ट मैच में जीत हासिल करना बेहद जरूरी होगा। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चौथा टेस्ट मैच अब 11 जनवरी से खेला जाएगा।